सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 288 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 31 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दो नए जज नियुक्त, कॉलेजियम ने नामों पर लगाई मुहर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में दो नए जज नियुक्त हुए हैं। अधिवक्ता बिभु दत्ता गुरु और अधिवक्ता अमितेन्द्र किशोर प्रसाद के नाम पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मुहर लगा दी है। बता दें कि बीते 21 फरवरी को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने अपने दो वरिष्ठतम सहयोगियों के साथ सलाह-मशविरा करने के बाद इन अधिवक्ताओं के नाम की सिफारिश कॉलेजियम से की थी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने इस सिफारिश पर सहमति जताई है।

बिभू दत्ता गुरु ने कई मामलों में किया है प्रतिनिधित्व

न्याय विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अधिवक्ता बिभू दत्ता गुरु की ईमानदारी के खिलाफकुछ भी प्रतिकूल नहीं पाया गया है। उन्होंने उच्च न्यायालय में कई मामलों में प्रतिनिधित्व किया है, जिनका विवरण 54 रिपोर्टेड जजमेंट्स में है। उनकी उम्र और बार में ख्याति को ध्यान में रखते हुए, कॉलेजियम ने उन्हें हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने के लिए उपयुक्त माना है।

अमितेंद्र किशोर प्रसाद के पास व्यापक प्रैक्टिस

न्याय विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अधिवक्ता अमितेंद्र किशोर प्रसाद की व्यक्तिगत और पेशेवर छवि अच्छी है और उनकी ईमानदारी के खिलाफकुछ भी प्रतिकूल नहीं पाया गया है। उनके पास व्यापक प्रैक्टिस है, जिसका विवरण 110 रिपोर्टेड जजमेंट्स में मिलता है। उनकी उम्र और बार में ख्याति को ध्यान में रखते हुए, कॉलेजियम ने उन्हें हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने के लिए उपयुक्त माना है। कॉलेजियम ने अधिवक्ता बिभू दत्ता गुरु और अमितेंद्र किशोर प्रसाद की व्यक्तिगत और पेशेवर छवि को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जज के रूप में नियुक्ति की सिफारिश की है, उनकी आपसी वरिष्ठता मौजूदा प्रथा के अनुसार तय की जाएगी। गौरतलब है कि अभी मौजूदा समय में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 15 जज नियुक्त हैं, लेकिन दो नए जजों की नियुक्ति के बाद ये संख्या बढ़कर 17 हो जाएगी।

खुल गए सक्रिय राजनीति के रास्ते

5 सालों तक तीन राज्यों में राज्यपाल रहे रमेश बैस, अब राज्य या केन्द्र में हो सकते हैं सक्रिय

पार्टी के आदेश का इंतजार

फिलहाल बैस पार्टी के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। पत्रकारों ने जब इस बाबत उनसे सवाल किया तो बैस ने सब कुछ पार्टी के आदेश पर छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी निर्णय करेगी, उसका वे पालन करेंगे। बैस के बयान के बाद कई तरह की अटकलें लग रही है। हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से बैस को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन पिछले कुछ समय से देखा गया है कि पार्टी ने कई राज्यपालों को सक्रिय राजनीति में वापस लिया है।

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। 5 साल तक सक्रिय राजनीति से दूर रहने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश बैस के लिए एक बार फिर वापसी के रास्ते खुल गए हैं। दरअसल, रायपुर लोकसभा क्षेत्र से लगातार 7 बार सांसद रहे बैस को केन्द्र की मोदी सरकार ने 2019 में त्रिपुरा का राज्यपाल बना दिया था। उसके बाद बैस झारखंड और बाद में महाराष्ट्र के भी राज्यपाल रहे। केन्द्र सरकार ने हाल ही में कई राज्यों के राज्यपालों को बदला और नए राज्यपालों का मनोनयन किया। इसमें महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे रमेश बैस को विदाई दे दी गई। बैस अपने गृह प्रदेश छत्तीसगढ़ लौट आए हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि उनकी वरिष्ठता को देखते हुए केन्द्र सरकार उनके राजनीतिक अनुभवों का लाभ लेने के लिए उन्हें राज्य या केन्द्र में सक्रिय कर सकती है। हालांकि उन्हें केन्द्रीय संगठन में अहम् जिम्मेदारी दिए जाने की भी चर्चा है।

35 सालों तक रायपुर लोकसभा से सांसद रहने वाले भाजपा के सीनियर ओबीसी नेता रमेश बैस 5 सालों की राज्यपाल की पारी पूरी कर रायपुर लौट आए। रायपुर एयरपोर्ट पर पार्टी के सीनियर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूरे जोशो खरोश के साथ फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। छत्तीसगढ़ की धरती पर उतरते ही रमेश बैस ने सीधे राहुल गांधी पर हमला बोला। साथ ही ये भी संकेत दिया वे सक्रिय राजनीति में कदम रखने जा रहे हैं। पांच साल बाद तीन राज्यों में राज्यपाल की निर्विवाद पारी खेल कर रमेश बैस जब रायपुर लौटे, तो उन्होंने सबसे पहला वार राहुल गांधी पर किया। छत्तीसगढ़ वापस लौटते ही उनकी प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका को लेकर चर्चे शुरू हो गए। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी कह दिया कि उन्हें सक्रिय राजनीति में किस्मत आजमा लेनी चाहिए। इशारा बृजमोहन अग्रवाल की खाली हुई सीट दक्षिण विधानसभा की तरफ था। रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया ने भी उनसे यही सवाल किया तो उनका जवाब था अब वो पार्टी के साधारण कार्यकर्ता हैं। पार्टी जो भूमिका देगी, जो कुछ करने को कहा जाएगा, वो करेंगे। साथ ही राहुल गांधी के चक्रव्यूह वाले बयान पर भी बेहद तीखा हमला किया।

रमेश बैस प्रदेश की राजनीति में भाजपा का बड़ा ओबीसी चेहरा रहे हैं, जो शुरू से लेकर आखिरी तक अपराजेय रहा। रायपुर लोकसभा सीट से लगातार 7 बार सांसद चुने जाने का उन्होंने जो रिकार्ड बनाया, वह अब तक बरकरार है। सक्रिय राजनीति में रहते हुए सांसद की अपराजेय पारी खेलने के बाद आलाकमान द्वारा उन्हें राज्यपाल की भूमिका दी गई। जाहिर है राहुल गांधी पर रमेश बैस के बयान से कई तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। पार्टी उन्हें सक्रिय राजनीति में उतारती है नहीं, ये तो बाद की बात है, लेकिन तीखे तेवर के साथ बयान देकर रमेश बैस ने ये तो साफ कर दिया है कि फिलहाल सक्रिय राजनीति से वो दूर नहीं जा रहे।

पार्षद से राज्यपाल तक का सफर

कद्दावर नेता रमेश बैस के राजनीतिक सफर की शुरूआत 1978 में रायपुर नगर निगम के पार्षद निर्वाचित होने के बाद शुरू हुई थी। 1980 में वे पहली बार अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक बने। 1989 में पहली बार रायपुर लोकसभा सीट से सांसद चुने गए। इसके बाद 1996 ,1998, 1999, 2004, 2009 और 2014 तक वे लगातार सात बार सांसद निर्वाचित हुए। इस दौरान वे केंद्र सरकारों में मंत्री भी रहे। 29 जुलाई 2019 को उन्हें त्रिपुरा का राज्यपाल बना दिया गया। इसके बाद उन्होंने झारखंड और महाराष्ट्र में भी राज्यपाल की जिम्मेदारी संभाली। फिलहाल उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से विदाई लेकर गृहराज्य छत्तीसगढ़ में वापसी की है।

विस उपचुनाव कद के विपरीत

बैस, छत्तीसगढ़ में भाजपा का बड़ा चेहरा रहे हैं। 7 बार सांसद और केन्द्र में मंत्री भी रहे। तीन राज्यों के राज्यपाल रहे, ऐसे में इस बात की संभावना कम ही है कि पार्टी उन्हें विधानसभा का उपचुनाव लड़वाएगी। हालांकि ऐसे कयास लगने शुरू हो गए हैं कि बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट से उन्हें चुनाव लड़वाया जा सकता है, क्योंकि पार्टी को एक बड़े और मजबूत प्रत्याशी की तलाश है। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क है कि पार्टी बैस के साथ उपचुनाव का दाँव तभी खेलेगी, जब उन्हें कद के अनुरूप महत्व देना होगा। यानी सिर्फ विधायक या फिर राज्य में मंत्री का पद उनके राजनीतिक कद के सामने काफी छोटा होगा। ऐसे में इस बात की संभावना ज्यादा है कि उन्हें या तो राज्यसभा में भेज दिया जाए या फिर शीर्ष संगठन में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाए। हालांकि फिलहाल यह सब सिर्फ कयासों में ही है।

अब स्कूल गेम्स में घुसी राजनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफइंडिया ने सीबीएसई को एक स्वतंत्र इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की है, जिसके बाद सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के विद्यार्थी अब राज्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेंगे। पिछले बुधवार को छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी कर सीबीएसई स्कूलों के बच्चों को खेलने के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इस आदेश के बाद अब ब्लॉक, जिला, संभाग और राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिताओं में केवल छत्तीसगढ़ बोर्ड के स्कूलों के बच्चों को ही खेलने का मौका मिलेगा। राज्य शिक्षा विभाग का मानना है कि सीबीएसई स्कूलों के स्कूल गेस में उतरने से ग्रामीण और सरकारी स्कूल के खिलाड़ी पीछे रह जाते थे। उनका यह भी मानना है कि सीबीएसई स्कूलों में राष्ट्रीय स्तर के मैदान हैं जहां उसी स्तर की ट्रेनिंग प्रदान की जाती है। शालेय खेलों से सीबीएसई के बच्चों को अलग करने से अब ग्रामीण और सरकारी स्कूलों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए अधिक मौके मिलेंगे। छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला पहला राज्य नहीं है। इससे पहले तमिलनाडु, राजस्थान सहित कई राज्य ऐसा कर चुके हैं। चलो कम से कम एक बात तो साफहो गई। राज्य शासन यह तो मानता है कि सीबीएसई स्कूलों में राष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान और प्रशिक्षण सुविधाएं हैं। वैसे हकीकत इससे जुदा है। अधिकांश सीबीएसई स्कूलों में खेल मैदान केवल कागजों पर हैं। प्रशिक्षकों की स्थिति का भी बुरा हाल है। केवल वही बच्चे अच्छा प्रदर्शन करते हैं जो बाहर किसी स्वतंत्र संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होते हैं। दूसरी तरफग्रामीण स्कूलों, विशेषकर आदिवासी अंचल के स्कूलों के विद्यार्थियों ने कई खेलों में अपना वर्चस्व कायम रखा है। पश्चिम बंगाल, ओडीशा और झारखंड जैसे राज्यों में फुटबाल और हाकी जैसे टीम गेम्स से लेकर एथलेटिक्स में भी बराबर की टक्कर देते हैं। हाकी की इंडिया कैप्टन रही सबा अंजुम के पास कभी हॉकी खरीदने के पैसे नहीं थे। असम की एथलीट हिमा दास, क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी, रविन्द्र जडेजा, गेंदबाज उमेश यादव, धावक दुती चंद, हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, बॉक्सर मैरी काम, ऐसे नाम हैं जिन्हें सब जानते हैं। हिमा दास और मैरी काम सीमांत किसानों की बेटियां हैं। रानी रामपाल के पिता ठेला चलाते थे। दुती चंद के पिता एक गरीब बुनकर थे। उमेश यादव के पिता कोयला खदान में काम करते थे। जडेजा के पिता एक निजी कंपनी में चौकीदार थे। धोनी के पिता एक स्टेडियम के केयरटेकर थे। बहरहाल, जब शासन ने यह मान ही लिया कि सीबीएसई स्कूलों की खेल अधोसंरचना स्टेट बोर्ड से बेहतर है तो उसने इस खाई को पाटने के लिए क्या किया? क्या उसने स्कूलों में खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति की कोई पहल की? क्या उसने खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए कुछ किया? दरअसल, यह भी एक तरह की आरक्षण व्यवस्था है जो प्रत्येक स्तर पर खिलाड़ियों में भेदभाव करता है।

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

संपादकीय

शाबाश मनु!

एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों के लिए ये यकीनन गर्व के क्षण हैं, जो मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने मुहैया कराए हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्द्धा का कांस्य पदक कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड को समेटे हुए है। 28 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग श्रेणी में कांस्य जीतकर मनु पहले ही निशानेबाजी में देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं और अब इस नई कामयाबी के साथ एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने का राष्ट्रीय गौरव भी उनके हिस्से आ गया है। निशानेबाजी के मिश्रित वर्ग में भी ओलंपिक पदक जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी है।

> निस्संदेह, इन तमगों के पीछे मनु और सरबजोत जैसे खिलाड़ियों के जुनून, समर्पण और अनथक परिश्रम का सर्वाधिक योगदान है, मगर एक बड़ी भूमिका खेलों को लेकर बदले सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की भी है। देश की आर्थिक समृद्धि ने सरकारों को जहां इस क्षेत्र में अधिक निवेश की सहूलियत दी, वहीं समाज ने भी खेल-कूद से जुड़े अपने पुराने जुमलों को बदला है। परिणाम सामने है। आज हम दहाई अंक में ओलंपिक पदकों की उम्मीद बांध रहे हैं, तो मनु भाकर का शानदार आगाज इस अपेक्षा को मजबूत आधार दे रहा है।

देश में किसी भी क्षेत्र में प्रतिभाओं की कभी कोई कमी नहीं रही, सीमाएं संसाधन और समाज के स्तर पर थीं। मगर 1983 में क्रिकेट विश्व-कप की जीत ने देश की मनोदशा पर जादुई असर डाला। उस जीत ने देशवासियों के बीच विजेता खिलाड़ियों की निजी पहचान ही स्थापित नहीं की थी, बल्कि उन्हें मिले अभूतपूर्व सम्मान ने देश के कोने-कोने से हजारों प्रतिभाओं को प्रेरित किया कि खेलों के जरिये वे भी प्रतिष्ठा कमा सकते हैं। फिर जब बाजार खिलाड़ियों को आर्थिक संबल देने आगे बढ़ा, तो पेशेवर करियर के रूप में क्रिकेट को अपनाने की सोच मजबूत हुई और आज यह खेल सैकड़ों नौजवानों का भविष्य संवार रहा है, बल्कि अब तो बड़ी तादाद में बेटियां भी इसमें भविष्य देखने लगी हैं। हम क्रिकेट में आज पहली कतार में इसलिए हैं कि इसने अपने लिए एक पेशेवर तंत्र खड़ा कर लिया है, जो खिलाड़ियों की कमी नहीं पड़ने देता। उनके हितों की निगहबानी करता है। यही दृष्टिकोण एथलेटिक्स में चाहिए।

यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दिलचस्पी ने खेल-कूद के प्रति सार्वजनिक प्रयासों को एक नई ऊर्जा दी है। देश के हरेक हिस्से से प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें तराशने वाले अकेले 'खेलो इंडिया कार्यक्रम' के लिए 900 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन इसका प्रमाण है। निस्संदेह, इन सबका सकारात्मक असर पड़ रहा है। मगर अभी भारत को मीलों की दूरी तय करनी है। ओलंपिक की पदक तालिका में शीर्ष क्रम पर आनेके लिए हमें अपने खेल संगठनों को पेशेवर बनाना होगा। पिछले दिनों कुश्ती महासंघ के विवाद ने काफी कटु स्मृतियां छोड़ी हैं। ऐसे विवादों के त्वरित निपटारे की जरूरत है, ताकि खिलाड़ी हताश न हों और उनको अदालत की शरण लेने की नौबत न आए। भारतीय खिलाड़ी निशानेबाजी, कुश्ती, भारोत्तोलन, हॉकी, भाला फेंक, बॉक्सिंग में अपना लोहा मनवा चुके हैं, दूसरी विधाओं में भी संभावनाएं कम नहीं हैं। मनु भाकर जैसी प्रतिभाएं आश्वस्त कर रही हैं कि अपनी कमियों को जीतना हम जानते हैं। भरोसा रखिए, ओलंपिक खेलों में हमारे गौरव के पदक धारक बेटे-बेटियों की तादाद पर दुनिया रश्क करने को बाध्य होगी।

नजरिया

वायनाड के भूस्खलन से क्या कुछ सबक पाएंगे हम

केरल के वायनाड में भूस्खलन से हुई भारी तबाही ने एक बार फिर अनियोजित विकास की ओर हमारा ध्यान खींचा है। कई जान चली गई है। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक पहाड़ों का चरित्र कमोबेश एक जैसा ही है।

सुशील कुमार रोहेला,
भूभौतिकी वैज्ञानिक

हां, हिमालय के पहाड़ अभी तुलनात्मक रूप से नए जरूर हैं, जिसके कारण यहां की मिट्टी दक्षिण के पहाड़ों की तरह सख्त नहीं हुई है, पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक भूस्खलन की जो घटनाएं हम देख रहे हैं, उनकी एक बड़ी वजह मानवीय गतिविधियां हैं। हम विकास और निर्माण-कार्यों के नाम पर लगातार पहाड़ काट रहे हैं, लेकिन उसे दरकने से बचाने के लिए जिन-जिन उपायों की जरूरत है, उस पर बमुश्किल अमल कर पा रहे हैं। अब तो पहाड़ की चोटियों पर ऊंची इमारतें बनती दिखने लगी हैं। इसके लिए पेड़ों की जमकर कटाई की जाती है। जाहिर है, जब पत्थर को थामने वाले कुदरती साधनों को हम खत्म कर देंगे, तो पहाड़ टूटेंगे ही। रही-सही कसर मानसून पूरी कर देता है। इस मौसम में पहाड़ों पर दबाव बढ़ जाता है, जिस कारण वे भरभराकर गिरने लगते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में ऐसा ही हुआ था।

अनियोजित विकास के हिमायती कहते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भी भारत में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। निस्संदेह, पहाड़ खुद भी कभी-कभी भूस्खलन के माध्यम से स्थिर होते हैं। भूकंप भी वक्त-बेवक्त इसकी वजह बनते हैं। मगर हाल-फिलहाल की घटनाएं मूलत: उन जगहों पर ही दिखी हैं, जहां पर निर्माण-कार्य हुए हैं। जहां प्रकृति को बिल्कुल भी छेड़ा नहीं गया है, वहां से भूस्खलन की खबरें नहीं आई हैं। दिक्कत यह भी है कि हम विकास के नाम पर पहाड़ों के साथ खिलवाड़ तो करते हैं, लेकिन सुरक्षात्मक दीवार पुश्ता, जिसे रिटेनिंग वॉल कहते हैं, नहीं बनाते। विकास-कार्य बेशक होने चाहिए, क्योंकि पहाड़ पर रहने वाले लोगों को भी अच्छी सड़कों या इमारतों की जरूरत है, लेकिन ऐसा करते हुए उन उपायों को अमल में लाना चाहिए, जो इंसानी जान की सुरक्षा कर सकें। कई जगहों पर पहाड़ को काटने के बाद महज पांच फुट का रिटेनिंग वॉल लगाते मैंने देखा है। यह उचित नहीं है। उत्तराखंड में भूस्खलन की बढ़ी घटनाओं की यह एक बड़ी वजह है। हम चाहें, तो चिह्नित स्थानों पर कैंडलनट, ब्रेडफ्रूट, बांस जैसे पेड़ अथवा वेटिवर जैसी घास भी लगा सकते हैं, जिनकी मजबूत जड़े पहाड़ी मिट्टी को थामे रखने में काफी मददगार मानी जाती हैं।

ऐसा नहीं है कि अपने देश में इस बाबत दिशा-निर्देश नहीं है। गाइडलाइन तैयार है, लेकिन उसका पालन ढंग से नहीं हो रहा। इसके लिए हमें स्थानीय निकायों पर भरोसा करना होगा। जब तक उनको इस अभियान में शामिल नहीं करेंगे, हरेक मानसून में तबाही की खबरें आती रहेंगी। नियमों का पालन स्थानीय निकाय ही सुनिश्चित कर सकते हैं। उनको पता होता है कि निर्माण-कार्यों की वजह से कहां कितनी अस्थिरता हुई है और उसे स्थिर करने के लिए किस तरह के उपाय किए जाने चाहिए। फिर चाहे वह दीवार पुश्ता लगाना हो या पेड़-पौधों का रोपण या फिर कुछ और। इस तरह के प्रयास कितने कारगर होते हैं, इसका पता कोई जापान जाकर लगा सकता है। वहां की पहाड़ियों को स्थिर बनाए रखने के लिए जालियां तक लगाई गई हैं। ऐसे उपाय कुछ महंगे जरूर होते हैं, पर काफी कारगर माने जाते हैं। अपने देश में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद अच्छे सुरक्षात्मक उपाय किए गए हैं, पर अन्य जगहों पर उचित व्यवस्था नहीं दिखती। कई इलाकों में तो पहाड़ से पत्थर सीधे सड़क पर आ गिरते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान होता है। ताइवान ने अपने यहां दवाबमापी यंत्र लगाकर अलहदा प्रयोग किया है। इससे उसे समय-पूर्व पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है।

जाहिर है, भारत में भी भूस्खलन से निपटने के लिए समय-पूर्व चेतावनी प्रणाली की जरूरत है। इससे हम जान-माल के नुकसान से काफी हद तक बच सकते हैं। बेशक, केंद्र सरकार इसको लेकर गंभीर है, लेकिन जब तक स्थानीय स्तर पर जागरूकता नहीं आएगी, तब तक मनमाफिक परिणाम हमें नहीं मिल सकेंगे। लिहाजा, जागरूकता की शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बूंदों से सुगंधियों तक सुंदर सावन

प्रयाग शुक्ल, कवि और कला मर्मज्ञ

वर्षा बूंदों का, अनुपम सावन का हमारे यहां बहुत महत्व रहा है। हम सावन आने से पहले ही, आषाढ़ भी आने से पहले ही प्रतीक्षा करते रहते हैं कि बादल आएंगे और अच्छी वर्षा होगी। कुछ नहीं बदला है। कारण यह है कि यह ऋतु बहुत महत्व रखती है। आप आसपास देखिए, कैसे कितने अंकुर उग आए हैं, नीम के सुंदर पौधे उग आए हैं। सावन तो है ही ऐसा महीना, जब वर्षा ऋतु अपने सुंदरतम रूप में और चरम पर होती है। बूंदों की रह-रह आहट होती है, कभी जोरदार बारिश होती है और हम इसकी भी कामना करते हैं कि ये बारिश साथ रहे, प्रकृति का सब कुछ धुल जाए, पर हमें झूलने का अवसर भी दे। आज भी लोगों के जीवन में झूलों का महत्व है। देश में कहीं भी चले जाइए, झूलों का महत्व सावन में बढ़ जाता है।

हम सब स्वयं अनुभव करते हैं कि सावन सबसे अच्छा समय है। समकालीन कला में भी सावन का गहरा असर हम देखते हैं। बात चित्रकला की हो या नृत्यकला की। लोक कलाओं में तो सावन का बहुत असर है। तमाम लोकगीतों में सावन किसी न किसी रूप में प्रस्तुत होता है। बूंदों, बादल, बारिश को लेकर असंख्य लोकगीत हैं, जो आज भी जगह-जगह गाए जाते हैं। हमारे बाकी मनोरंजन के साधनों में भी सावन खूब निखर कर सामने आता है। फिल्म मिलन का वह गीत - सावन का महीना पवन करे शोर, जियरा रे ऐसे झूमे, जैसे बनमा नाचे मोर। यह गीत भला कौन भूल सकता है और सावन के इंतजार का वह गीत, तुम्हें गीतों में ढालूंगा, सावन को आने दो। ये गीत हमें आज भी मुग्ध कर देते हैं, क्योंकि ये जो सावन की ध्वनि है, यह जो हमारी स्मृति में बसा हुआ सावन है, वह सारी चीजें अपने आप ले आता है। सरोवर सराबोर हो रहे हैं, नदियां उफान पर हैं, ऊपर मेघ छाए हुए हैं। ऐसे मेघ छाए हुए हैं, जिनको लेकर गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है - जब सीता बिछुड़ गई हैं और तब राम जी अकेले हैं- घन घमंड नभ गरजत घोरा । प्रिया हीन डरपत मन मोरा।। जब बादल आते हैं, गरजते हैं, बरसते हैं, बिजली चमकती है, तब ईश्वर भी अकेले रहना नहीं चाहते। सावन में किसी न किसी का साथ चाहिए, स्नेह चाहिए।

महानगरों में तो सावन का उतना असर नहीं रहा, पर कस्बों में अभी भी सावन झूमकर आता है। गांवों, खेतों में हम क्या दृश्य देखते हैं, खाने पीने के दृश्य, व्यंजन बनने के मोहक दृश्य, हर जगह महकती चाय, पकौड़े। अभी मैं मध्य प्रदेश में था, वहां पोहा-जलेबी का कितना आनंद है! वर्षा ऋतु में यह आनंद और बढ़ जाता है। धर्म-कर्म भी बढ़ जाता है। हम सब जानते हैं कि सावन और सावन में भी सोमवार का क्या महत्व है। लोग किस उत्साह से भगवान शिव की पूजा करते हैं। कांवड़ यात्रा निकलती है। एक तरह से समाज का हर वर्ग किसी न किसी तरह से वर्षा ऋतु के आने का उत्सव मनाता है। प्रकृति के शृंगार में शामिल होना ही सावन है। अभी मैंने ग्वालियर में सुना एक लोक गायिका चंदन तिवारी को, कजरी, दादरा, ठुमरी, उन्होंने सब सुनाया। नाना विधियों से इस मौसम में हम उत्सव मनाते रहे हैं, अपने सुगम संगीत से शास्त्रीय संगीत तक। ऐसे मौसम में गायन, वादन श्रवण का आनंद बहुत बढ़ जाता है। कजरी तो सावन से कितनी ज्यादा जुड़ी हुई है, इसका लंबा इतिहास है। गिरिजा देवी जी की याद आती है, सावन में अनेक प्रियजनों की याद आती है। जिन लोगों ने भी हमारे जीवन में रस भरा है, उनकी याद आती है।

आप देखिए, मीठे रसीले आम का भी यही मौसम है। अभी ही मैं ग्वालियर में आम उत्सव मनाकर लौटा हूं। सावन में आम के दिन अभी हैं और पंद्रह-बीस। आमों के विविध प्रकार हैं, उन सभी को देख-देखकर भी खुशी होती है। अपने देश में आमों पर ही कितना लिखा गया है।

जैसे आम की याद साल भर बनी रहती है, ठीक उसी तरह सावन के गीतों की याद भी साल भर बनी रहती है। पूरे साल में पसर जाता है सावन, वह हर मौसम-महीने याद आता है। ऐसे सावन का उत्सव केवल सावन में ही नहीं मनाया जाता, लोग अपनी स्मृतियों में भी सावन मनाते रहते हैं। जब वर्षा ऋतु आती है, उससे भी पहले हम सावन की कल्पना करने लगते हैं। देखिए, हमारे देश में ऋतुओं का यह अद्भुत बंटवारा। बसंत ऋतुराज है, तो बहुतों के लिए सावन बहुत महत्व रखता है। आषाढ़ भी किसी को पसंद है। कालिदास जी ने लिखा ही है आषाढ़स्य प्रथम दिवसे।

हां, आज सावन या अन्य ऋतुओं में नई पीढ़ी की दिलचस्पी उतनी नहीं रह गई है, तो इसमें हमारा भी दोष है। हमने युवाओं को बताया नहीं है, वे नहीं जानते हैं। पुरानी पीढ़ी ने तो सावन को अलग तरह से देखा है, झूलों का जो आनंद कभी हमने सावन में उठाया है, उसे हम कभी भूल नहीं सकते। अभी भी झूले लहराते हैं, पर अब कम हो गए हैं। हमारे पूरे सांस्कृतिक, सामाजिक जीवन में सावन खास है। अमराई की बात कीजिए, तो उसकी भी याद आती है। अमराई का मतलब ही यह है कि हमारा एक सामूहिक जीवन था। आम का बाग है, उसमें से सब गुजर सकते हैं, कोई आम टपका हुआ मिले, तो सब खा सकते हैं। वर्षा की बूंदों को भी आप देखिए, तो पेड़ों से झर रही हैं। उनका झरना, पेड़ों का धुल जाना अपूर्व है। इन सब चीजों को अनुभव करने का समय ऐसा लगता है कि हमारे महानगरों के लोगों के जीवन में उतना नहीं रहा। वह लौटे, ऐसी कामना करता हूं।

मेरा तो जीवन ही ऋतुओं के सहारे चलता है, ऋतुओं की सुगंधियों के सहारे चलता है। सावन में ही देखिए, गीली मिट्टी से कैसी खुशबू उठ रही है। वनस्पतियों से किस तरह नाना विधि सुगंधियां निकल रही हैं। एक मिली-जुली महक भी उठ रही है! बहुत अच्छी लग रही है। हर ऋतु के अपने फल, फूल हैं, तो सावन के भी अपने फल, फूल हैं। अज्ञेय की कविता रात सावन की अभी बहुत याद आ रही है, उसे फिर गुनगुना लेना चाहिए- रात सावन की / कोयल भी बोली / पपीहा भी बोला/ मैंने नहीं सुनी / तुम्हारी कोयल की पुकार / तुमने पहचानी क्या / मेरे पपीहे की गुहार / रात सावन की / मन भावन की / पिय आवन की / कुहू-कुहू / मैं कहां - तुम कहां - पी कहां!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

साय के विकास माडल की दिल्ली में चर्चा

सुनील दास

राज्य में सरकारें आती हैं,जाती हैं। हर राज्य का एक विकास माडल होता है।जैसे ही सरकार बदलती है, वैसे ही राज्य का विकास माडल बदल जाता है।हर राज्य सरकार के पास अब पिछली सरकार से एक अलग विकास का माडल होता है। वह अपने विकास माडल के हिसाब से राज्य का विकास करना चाहती है। रमन सरकार ने अपने विकास माडल के हिसाब से राज्य का विकास किया, भूपेश बघेल ने अपने विकास माडल से राज्य का विकास किया। अब साय सरकार के पास राज्य के विकास के लिए अपना एक विकास माडल है।

साय सरकार ने सात माह में अपने विकास माडल से राज्य के हर क्षेत्र का जो विकास किया है। उसके लिए दिल्ली में राज्य सरकार की सराहना की गई है और दूसरे भाजपा शासित राज्यों को भी उसे अपनाने की सलाह दी गई है तो यह साय सरकार के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में भाजपा मुख्यालय में हुई मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में राज्यों के सीएम व डिप्टी सीएम शामिल हुए। सभी अपने राज्य के विकास, योजनाओ आदि की जानकारी दी। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने बैठक में राज्य की प्रमुख योजनाओं, आमलोगों की शासन के प्रति क्या सोच है, इसका फीडबैक.राजनीतिक घटनाक्रमों पर एक रिपोर्ट पेश की।उन्होंने योजनाओं की सफलता, उस पर प्रभावी अमल, महिलाओं, युवाओं, आदिवासियों, किसानों, नक्सल उन्मूलन के लिए कि जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।उन्होंने बताया किस तरह नियद नेल्लानार से आदिवासियों क्षेत्रो में योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा है। इस योजना के तहत सुरक्षा कैंप के आसपास के पांच गावों मे? सरकारी विभागों की 53 योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा है। इससे सरकार व शासन के प्रति जनता का भरोसा बढ़ा है। आदिवासी क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है।

राज्य में महिलाओं को महतारी वंदन योजना से हर माह 70 लाख महिलाओं को एक हजार रुपए महीना दिया जा रहा है, उससे महिलाओं की आर्थिक स्थित सुधरी है, राज्य में भष्टाचार रोकने पारदर्शी शासन के लिए प्रयास किया गए है साथ ही पिचली सरकार के समय हुए भष्टाचार की जांच भी कराई जा रही है। साय सरकार के सबसे ज्यादा सफलता सही मायने में नक्लिलियों के सफाया में मिली है। इस सरकार के समय जितनी तेजी से नक्सलियों का सफाया हुआ है, वह अतुलनीय है, उसकी तुलना किसी सरकार से नहीं की जा सकती। साय सरकार जिस तरह से बस्तर में नक्सलियों की संख्या कम हो सकती है,करने का गंभीरता से प्रयास कर रही है। ऐसे में दिल्ली में साय सरकार की तारीफ तो होनी ही थी। भूपेश बघेल के माडल की भी एक समय दिल्ली में चर्चा होती थी, लेकिन उनके विकास माडल की जितनी तारीफव चर्चा होती थी, उसकी पोल उस वक्त खुल गई जब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा,जनता ने उनके विकास के माडल को नकार दिया। साय सरकार को सत्ता में आए अभी कुछ महीने ही हुए है और उसकी तारीफ जिस तरह काम के लिए की गई है, वह साय सरकार के लिए गर्व की बात है।

साय सरकार लोकसभा चुनाव के पहले किछ महीने में जिस तरह काम किया और पीएम मोदी की दी गई गारंटी को पूरा किया, उसके कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा को जीत मिली है, यह भी ध्यान देने योग्य बात है क्योंकि भूपेश बघेल विधानसभा चुनाव जीतने के बाद लोकसभा चुनाव में पार्टी को नहीं जिता सके थे जबकि सीएम साय ने भाजपा के लिए 9 सीटें जीती हैं। यह भी तो बड़ी सफलता है। किसी सरकार की सफलता को ठीक से तब मापा जा सकता है जब उसका एक साल पूरा हो जाए। साय सरकार के पास अभी समय है और अचछा काम करने का। साय के समय में इसी तरह नक्सलियों का सफाया होता रहा तो जल्द ही छत्तीसगढ़ से नक्सलियों का पूरा सफाया हो जाएगा। ऐसा होता है तो इसके लिए उनकी तारीफ यूपी के सीएम की तरह की जाएगी। वह देश के सफल सीएम में गिने जाएंगे कि केंद्र सरकार ने उनसे जो कुछ करने को कहा,उन्होंने करके दिखाया है। साय सरकार अपने समय में सिर्फ भ्रष्टाचार न होने दे, भ्रष्टाचार में किसी भाजपा नेता, मंत्री का नाम न आए तो यह भी उनकी बड़ी उपलब्धि होगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

कोचिंग सेंटर में हुई छात्रों की मौत का जिम्मेदार कौन?

अशोक मधुप

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस स्टडी (कोचिंग) सेन्टर के बेसमेंट में अचानक बारिश का पानी घुस जाने से चार घंटे से अधिक समय तक फंसे रहने से तीन छात्रों की मौत हो गई। घटना के समय बेसमेंट के पुस्तकालय में 30-35 छात्र थे। पानी आते देख बाकी निकल गए। तीन फंसे रह गए, उनकी मौत हो गई। कोचिंग सेंटर के स्वामी और कांड थनेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले मुकर्जी नगर दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में (15 जून 2023) को आग लग गई। छात्रों को कोचिंग सेंटर की खिड़की से निकलकर जान बचानी पड़ी। इस हादसे में 60 छात्र घायल भी हुए। कोचिंग सेंटर में हादसे होना, प्रतिभागियों का आत्महत्या करना आज आम है। घटना होती है। जांच के आदेश होते हैं किंतु होता कुछ नहीं। कोचिंग सेंटर चलाने वाले भारी प्रभावशाली है, दूसरे हमारी व्यवस्था पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी है, पैसे के सामने इंसान की मौत की फाइले कूड़े में चली जाती हैं, फिर एक नया हादसा होता है, फिर जांच होती है, फिर फाइल कूड़े में चली जाती है।

राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर में मृतक छात्रों की पहचान तानिया सोनी, श्रेया यादव (दोनों की उम्र 25 वर्ष) और नवीन डेल्विन (28) के रूप में की गई है। तानिया तेलंगाना और श्रेया उत्तर प्रदेश की थीं, जबकि नवीन केरल के निवासी थे। वे सभी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। शनिवार को कई छात्र कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी में थे कि अचानक सैलाब सा आया और उसमें तीन छात्रों की तड़पकर मौत हो गई। बताया जाता है कि बेसमेंट की परमीशन स्टोर के लिए थी, लाइब्रेरी के लिए नही, फिर भी लाइब्रेरी चल रही थी। दिल्ली पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि पानी बेसमेंट तक कैसे पहुंचा, जिसका इस्तेमाल कोचिंग संस्थान लाइब्रेरी के तौर पर कर रहा था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बेसमेंट, जो जमीन से लगभग आठ फीट नीचे है, में एक लाइब्रेरी थी, जहां शनिवार शाम को कई छात्र मौजूद थे, सूत्रों के मुताबिक, भारी बारिश के बाद कोचिंग सेंटर का गेट बंद कर दिया गया। पानी को बिल्डिंग में प्रवेश करने से रोकने के लिए कोचिंग सेंटर के प्रवेश द्वार पर एक स्टील शेड लगाया गया है। पुलिस और अग्निशमन विभाग जांच कर रहे हैं कि बेसमेंट में पानी कैसे भरा, दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने शहर के उन सभी कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया जो इमारतों के बेसमेंट में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कोचिंग सेंटर भवन निर्माण उपनियमों का उल्लंघन हैं और मानदंडों के अनुरूप नहीं हैं। बताया जाता है कि नगर निगम की मिलीभगत से राजेंद्र नगर में 95 प्रतिशत कोचिंग बेसमेंट में चल रहे हैं।

लगभग एक साल पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने मुखर्जी नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में 15 जून 2023 गुरुवार को लगी आग की घटना का शुक्रवार को खुद से संज्ञान लिया, कोर्ट ने दिल्ली सरकार, दिल्ली फायर सर्विस डिपार्टमेंट, दिल्ली पुलिस और एमसीडी को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने फायर सर्विस डिपार्टमेंट को निर्देश दिया कि वो ऐसे सभी संस्थानों में आग से बचाव के इंतजामों (फायर सेफ्टी ऑडिट) और उनके फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की जांच करे। ये आदेश दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 जून 2023 को दिए। जांच ये भी होनी चाहिए कि कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में क्या हुआ? कहीं सब खानापूरी होकर ही तो नहीं रह गई? यदि उस समय सही से जांच हो जाती। गलत रूप से चल रहे केंद्र बंद हो जाते तो निश्चित रूप से ये हादसा नहीं होता। ये हादसा इस बात को चिल्ला-चिल्लाकर बता रहा है कि ये जांच सही नहीं हुई। घटना होती है, जांच के आदेश होते हैं, ये ही आदेश जांच अधिकारियों को लूट का अधिकार दे देते हैं। इस आदेश के बाद जांच अधिकारी जाएंगे, कोचिंग सैंटर में कमी निकालेंगे। नोटिस देंगे। अपना सुविधा शुल्क वसूलेंगे और कुछ दिनों बाद सब फाइलों में दबकर रह जाएगा। कुछ समय बाद फिर हादसा होगा, फिर जांच होंगी। फिर अधिकारियों को आपदा में अवसर मिलेंगे। फिर खेल होगा। सब ऐसे ही चलता रहेगा, जैसे चल रहा है। इस भ्रष्ट हो चुकी सरकारी मशीनरी के सुधरने की उम्मीद नहीं लगती। कठोर अनुशासन लागू किये बिना ये सुधरने वाली नहीं। जरूरत सरकारी तंत्र को सुधारने की है। दरअसल मुखर्जी नगर हिंदी भाषी छात्रों और राजेंद्र नगर अंग्रेजी भाषी छात्रों का सिविल सेवा की तैयारी करने के बड़े केंद्र बन गया है। यहां कई कोचिंग संस्थानों का घर है। हर वर्ष सिविल सर्विसेज की परीक्षा में सबसे ज्यादा अभ्यर्थी भी यहीं से चयनित होते हैं।

एक जानकारी के अनुसार यूपीएससी की सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने के लिए मुखर्जी नगर व आसपास के क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष करीब एक लाख छात्र तैयारियों के लिए पहुंचते है। मुखर्जी नगर इलाका अपने आप में मिनी भारत है। यही हालत राजेंद्र नगर की भी है. यहां हर वर्ष प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, उड़ीसा, पूर्वोत्तर राज्यों से भी छात्र पहुंचते हैं। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर में में यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले महंगे से लेकर सस्ते कोचिंग भी मौजूद हैं। यही वजह है कि यहां पर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले बच्चे भी अपनी तैयारी आसानी से कर लेते हैं। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर के रिहायशी इमारतों में व्यावसायिक गतिविधियां चलाने का गढ़ बन चुका है। बीते एक दशक में यहां कोचिंग सेंटरों की बाढ़ आ गई है। ज्यादातर घरों में या तो कोचिंग सेंटर चल रहे हैं या फिर लाइब्रेरी या पीजी बनाकर संपत्ति मालिक चांदी काट रहे हैं लेकिन नगर निगम को शुल्क देने में अब भी कतराते हैं। इन संपत्तियों का व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। ज्यादातर इमारतों को कोचिंग संस्थान में बदलने के लिए भवन उपनियमों का उल्लंघन किया गया है। तय मानकों को नजरअंदाज कर कमरों को हाल में तब्दील कर दिया गया है। इसके चलते कई इमारतें ढांचागत रूप से कमजोर भी हो गई हैं।

यूपीएससी, एसएससी आदि की तैयारी करने वाले छात्र कोचिंग संस्थान संचालकों की मनमानी के खिलाफ आवाज नहीं उठा पाते। इन्हें क्लास में भेड़-बकरियों की तरह ठूस कर पढ़ाया जाता है। 25 मई 2019 को गुजरात के सूरत के एक कोचिंग में आग लगने से 22 छात्र की मौत के बाद गुजरात सरकार ने अग्नि सुरक्षा निरीक्षण किए जाने तक गुजराज सरकार ने राज्य के सभी निजी कोचिंग केंद्रों को बंद करने का आदेश दिया। सरकार ने स्कूलों, कॉलेज, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, शॉपिंग मॉल और अन्य व्यावसायिक भवनों के अग्नि सुरक्षा निरीक्षण का भी आदेश दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने दिल्ली के सभी कोचिंग सेंटरों का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण करने का निर्णय लिया था। उस समय भी आदेश हुए थे। जांच हुई। नियमों के विपरीत चलने वालों को नोटिस देकर कार्रवाई पूरी कर दी गई। लोगों से संबधित अधिकारियों का प्रसन्न कर दिया। काम पहले ही तरह ही चलता रहा। इसमें भी ऐसा ही होता लगता है। दरअसल इस तरह की बड़ी घटनाएं संबधित अधिकारियों की आय का माध्यम बनते हैं। देखने में आया है कि विभाग के अधिकारी निरीक्षण कर कमी बता देते हैं। नोटिस भेज देतें हैं। प्राय इन्होंने ही अग्निशमन सुरक्षा के उपकरण लगाने वालों से मेल-जोल कर रखा है। ये उपकरण लगाने वाले विभागीय अधिकारियों के चहेते होते हैं तो काम मानक के अनुरूप नही करते। पूरा पैसा लेकर भी काम पूरा नही करते। सब पहले की तरह ही चलता रहता है। ऐसे में हादसे होने पर जब तक व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई नही होती , तब तक कुछ सुधरने वाला नही है। जांच करानी चाहिए कि इसमें किस-किस विभाग के अधिकारी की गलती रही है। किसने जिम्मेदारी नही निभाई। जिम्मदारी तो होने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई भी होनी चाहिए, उनपर गैर इरादतन हत्या के मुकदमें दर्ज होने चाहिएं, भले ही वह रिटायर हो गए हों। यह भी तो होना चाहिए कि 2019 की सूरत की घटना के बाद हुई जांच में क्या हुआ था। इसके बिना कुछ होने वाला नही है। इस प्रकरण में तो नगर निगम की लापरवाही सीधे-सीधे नजर आती है। बिना अनुमति बेसमेंट में चलते कोंचिग पर रोक लगाना उसकी जिम्मेदारी है। दूसरी नालों की सफाई उसी का कार्य है। दोनो में लापरवाही हुई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

स्वच्छ भारत मिशन ओडीएफ प्लस मॉडल पर फोकस करें अधिकारी-कलेक्टर

- विभागों में लंबित पेंशन प्रकरण का कराये निराकरण
- आधार अपडेशन से स्कूली बच्चे वंचित न हो
- ऑफिसों में ई-फाईल सिस्टम पर जोर
- शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिले में स्वच्छ भारत मिशन ओडीएफ प्लस मॉडल पर फोकस करें अधिकारी। जिले को ओडीएफ प्लस श्रेणी में शामिल करने हेतु स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यों के मॉनिटरिंग का कार्य अधिकारियों को सौंपे गये हैं। निर्धारित चेक लिस्ट अनुसार ग्राम पंचायतों में डोर–टू–डोर कचरा कलेक्शन तथा सूखा एवं लिक्विड बेस्ट मैनेजमेंट के साथ नालियों एवं सड़कों की सफाई और परिवार के सदस्यों द्वारा शौचालय का उपयोग आदि का निरीक्षण किया जाना है।

इसी प्रकार नगरीय निकायों में भी स्वच्छता संबंधी कार्य हो रहे है कि नहीं इसका अवलोकन किया जाना है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न हो, सड़क आदि स्वस्थ्य हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को 05 अगस्त तक क्षेत्र भ्रमण कर चेक लिस्ट के अनुसार जानकारियां संग्रहित करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने निराकृत प्रकरणों के संबंध में जानकारियां ली। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर ने विभागों में विशेषकर शिक्षा, लोक निर्माण विभाग एवं पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने ऑफिसों में ई-फाईल सिस्टम पर जोर देते हुए शासन के मंशा अनुरूप अधिकारियों को डिजीटल सिस्टम पर विशेष ध्यान देने कहा। कलेक्टर ने कहा कि स्कूली बच्चों के आधार अपडेशन हेतु स्कूलवार तिथियां निर्धारित किये गये हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को स्कूलों का निरीक्षण कर सभी बच्चों का आधार अपडेशन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में संचालित जलशक्ति अभियान, मौसमी बीमारियां-मलेरिया, डेंगू, डायरिया की रोगथाम हेतु फाईट द बाईट कार्यक्रम और जल संरक्षण हेतु वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जानकारियां ली। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों में सभी शासकीय भवनों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम जरूरी है। बैठक में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी द्वारा डिजीटल मैनुअल ऑफिस सिस्टम, फाइल मैनेजमेंट सिस्टम और ई-फाईल प्रोसेस के संबंध में अधिकारियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, अपर कलेक्टर बीके दुबे, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं विजेन्द्र सिंह, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

बकाया राशि जमा करने के लिए लगाया गया लोन मेला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के मोर मकान मोर आस घटक अंतर्गत स्लम क्षेत्र में किरायेदारी के रूप में निवासरत बेघर परिवारो को आबंटित मकान दिलाने के लिए लोन मेला लगाया गया। लॉटरी सिस्टम के द्वारा 815 आबंटितो को मकान आबंटित किया गया जिसमे 611 हितग्राहियों के द्वारा आवास आबंटन का पूर्ण राशि जमा नही किया गया। उनके द्वारा अभी तक केवल 10 प्रतिशत राशि जमा किया गया है। शेष राशि उनके द्वारा जमा नहीं कर पाने के कारण मकान का आधिपत्य नहीं मिल पा रहा है।

हितग्राहियो की सुविधा के लिए नगर निगम भिलाई के पहल पर बैंकों के साथ संयुक्त रूप से डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन गौरव पथ बैकुण्ठधाम में बैंक के माध्यम से लोन मेला का आयोजन किया गया। हितग्राहियो को व्यक्तिगत फोन करके एवं समाचार पत्रो के माध्यम से भी सूचना प्रदान की गई। हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार बैंक से लोन प्राप्त करके मकान हेतु निर्धारित राशि जमा कर सकते है, जमा करने के बाद उन्हे अधिपत्य प्रदान किया जाएगा।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी 611 हितग्राहियो से अपील की है कि शीध्र शेष राशि जमा कर मकान का अधिपत्य प्राप्त कर ले। एक समय अवधि के पश्चात आबंटित मकान निरस्त हो जायेगा, अन्य जरूरतमंद को नियमानुसार आबंटित कर प्रदान किया जा सकता है। प्रभारी योजना अधिकारी विद्याधर देवांगन ने बताया लोन की प्रक्रिया एकदम सरल है 24 घंटे के अंदर लोन प्राप्त हो जायेगा।

अपनी क्षमता के अनुसार लोन प्राप्त कर सकते है, किराये में निवासरत हितग्राही जितना राशि अपने घर के किराये के रूप में देते है उतनी ही राशि बैंक को किश्त के रूप में देके अपना मकान प्राप्त कर सकते है। यह सुविधा नगर निगम भिलाई द्वारा सभी हितग्राहियो को प्रदान की जा रही है। अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ लेवे। आबंटन से संबंधित अन्य जानकारी के लिए मुख्य कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते है। आयोजित आवास ऋण मेला में प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी डी के वर्मा ,सहायक अभियंता अजय गौर उप अभियंता दीपक देवांगन आवास अधिकारी विद्याधर सूडा के इंजीनियर उतपल शर्मा तकनकी एक्सपर्ट अभिषेक बजाज एवम संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

बंद स्ट्रीट लाइट को कराया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में मोर संगवारी योजना के तहत घर पहुंच सेवा शुरू हो गई है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने घर पहुंच सेवा के लिए संगवारी को शिविर स्थल से रवाना किया। दरअसल जय जितेन्द्र डेलीनिड्स के संचालक ने शिविर में गुमास्ता बनाने आवेदन प्रस्तुत किया था।

वार्ड 17 दुर्गा मंच में आयोजित शिविर में आवेदन मिलते ही निगम के अधिकारियों ने आवेदन का निराकरण करते तत्काल घर पहुंच सेवा आरंभ कराया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि अब लोगों को डबल इंजन सरकार घर पहुंच सेवा आरंभ की है। केवल 50 रूपए में यह सुविधा

दी जा रही है। संगवारी के माध्यम से राशन कार्ड, जन्म -मृत्यु, विवाह, गुमास्ता जैसे प्रमाण पत्र घर पहुंचाकर दिया जाएगा। विधायक ने कहा जनसमस्या निवारण शिविर को इसलिए आयोजित किया जा रहा है कि आम नागरिकों को भटकना न पड़े। मंगलवार को आयोजित शिविर में 139 मांग आवेदन में से 46 का निराकरण किया गया। इसी तरह 13 शिकायतों में 3 का निराकरण किया गया। इस अवसर पर रिसाली महापौर शशि सिन्हा, महापौर परिषद के सदस्य चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, परमेश्वर कुमार, डॉ. सीमा साहू, पार्षद रेखा देवी, गजेन्द्री कोठारी, ममता सिन्हा, विनय नेताम, धर्मेन्द्र भगत, भाजपा मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेण्डे, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, महामंत्री राजू जंघेल आदि उपस्थित थे। जनसमस्या निवारण शिविर का निरीक्षण महापौर शशि सिन्हा ने की।

बार एवं रॉड मिल ने टीएमटी बार के रोलिंग में एक और नया रिकॉर्ड बनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) के लिए 2024 का जुलाई माह, दैनिक उत्पादन में नए कीर्तिमान स्थापित करने का माह रहा है। मिल ने 28 जुलाई 2024 को 16 मिमी व्यास में 3,930 टन टीएमटी बार का उत्पादन किया, जो 17 मई 2024 को 16 मिमी व्यास के रोल किए गए 3,890 टन टीएमटी बार के अपने ही पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से अधिक है।

इसी महीने 10 जुलाई 2024 को बार एंड रॉड मिल ने, 2589 टन उत्पादन करके टीएमटी बार्स के 10 मिमी के उत्पादन में एक नया रिकॉर्ड बनाया था, जो 7 जुलाई 2024 को 10 मिमी के रोल किए गए 2579 टन टीएमटी बार

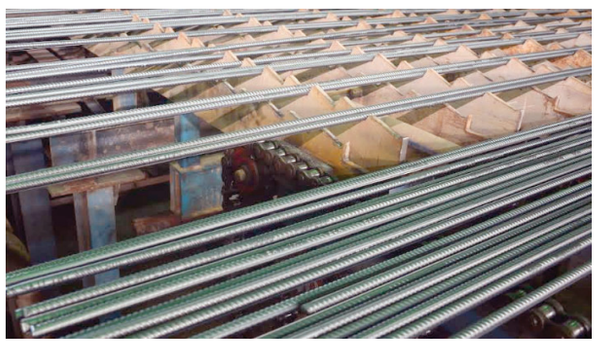

के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार कर गया था।

इससे पहले 4 जुलाई 2024 को, बीआरएम ने 1984 बिलेट्स को 4078 टन टीएमटी बार में रोल करके किसी भी प्रोफाइल में टीएमटी बार के उत्पादन में एक नया दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया था, जो 19 मई 2024 को 1955 बिलेट्स को 4013 टन टीएमटी बार में रोल करने के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन से अधिक था।

संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीएमटी बार के रोलिंग में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए बीआरएम और सभी सम्बद्ध सहयोगी एजेंसियों की टीम को बधाई दी है।

मैत्री बाग में सेल-बीएसपी और क्रेडा के संयुक्त तत्वाधान में 200 केडब्लूपी सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के ग्रिड से जुड़े सोलर पावर प्लांट की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के लिए, बीएसपी और क्रेडा के संयुक्त तत्वाधान में 30 जुलाई, 2024 को मैत्री बाग में भूमिपूजन किया गया। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने मैत्री बाग में 200 झॅच् सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक जे वाई सपकाले, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, महाप्रबंधक शिवराजन, महाप्रबंधक एच शेखर, महाप्रबंधक विष्णु पाठक, एस. ई. भानु प्रताप, जिला प्रभारी रवींद्र देवांगन, ए. ई. नितेश बंछोर, वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामड़े, उप प्रबंधक कमल वर्मा सहित सीएसआर और टाउनशिप विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस दौरान, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने कहा कि इस परियोजना की परिकल्पना कुछ महीने पहले की गई थी। अगर यह परियोजना हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करती है, तो हम इसे अन्य स्थानों पर भी दोहरा सकते हैं। उन्होंने इस परियोजना में शामिल सभी संबंधित एजेंसियों को बधाई दी।

जे वाई सपकाले ने कहा कि यह परियोजना ग्रीन एनर्जी में हमारे विश्वास को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि इसकी त्वरित स्वीकृति और प्रगति के कारण यह सभी के लिए एक यादगार परियोजना होगी। क्रिस्टलीय सौर फेटो वोल्टीक मॉड्यूल लगभग 800 यूनिट प्रति दिन और लगभग 24,000 यूनिट प्रति माह उत्पन्न करेगा। इस परियोजना में इस संयंत्र को इतनी ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा, कि मैत्री बाग में हिरणों के लिए चारा भी सोलर पावर प्लांट के नीचे सुरक्षित रहेगा। स्विक्सोल सिस्टम्स के प्रांजल पांडेय ने उपस्थित सदस्यों को सोलर पावर प्लांट परियोजना के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक अभियंता (क्रेडा) वर्षा बघेल द्वारा किया गया।

बीएसपी द्वारा टायफाईड, डेंगू, दस्त एवं मलेरिया रोकथाम हेतु अभियान जारी

एक सप्ताह में 16920 आवासों का सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मानसून के दौरान शहर में विभिन्न बिमारियों जैसे टायफाईड, डेंगू, दस्त और मलेरिया आदि के मरीजों की संख्या में वृद्धि होने की आशंका बनी रहती है। मानसून के इन्हीं खतरों के दृष्टिगत भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग, नगर सेवाएं विभाग इन बीमारयों से सुरक्षा हेतु, शहरवासियों को जागरूक करने के साथ साथ इस्पात नगरी के आवासों का सर्वेक्षण, निरीक्षण, दवाओं का वितरण तथा छिड़काव कर निरंतर प्रयास कर रहा है। इस अभियान के तहत, 21 जुलाई 2024 से 27 जुलाई 2024 तक इस्पात नगरी के विभिन्न सेक्टरों में कुल 16920 आवासों का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण

किया गया।

उल्लेखनीय है कि 21 जुलाई 2024 से 27 जुलाई 2024 तक इस्पात नगरी के विभिन्न सेक्टरों में कुल 165 टूटे हुए मकानों का सर्वेक्षण किया गया। कुल 12940 कूलरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 1253 कूलरों को खाली कराया गया। कुल 747 टंकियों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 246 टंकियों को खाली कराया गया। इसके अतिरिक्त 1126 कंटेनरों, 133 टायरों का निरीक्षण कर उन्हें खाली कर उनकी सफाई व दवाइयों का छिड़काव आदि किया गया है। 2028 पानी के अन्य पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 1475 पात्रों को खाली कराया गया। 5652 घरों में टेमिफॉस दवाओं का वितरण तथा 313 घरों में होम स्प्रे से छिड़काव किया गया।

इस अभियान के तहत, 26 जुलाई 2024 को इस्पात नगरी के सेक्टर 1,4,6,7,9,10 एवं मरोदा सेक्टर में कुल 1106 आवासों का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण किया गया। कुल 615 कूलरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 127 कूलरों को खाली कराया गया। कुल 97 टंकियों का निरीक्षण किया गया, जिसमे से 26 टंकियों को खाली कराया गया। इसके अतिरिक्त 117 कंटेनरों, 11 टायरों का निरीक्षण कर उन्हें खाली कर उनकी सफाई व दवाइयों का छिड़काव आदि किया गया है। 216 पानी के अन्य पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 143 पात्रों को खाली कराया गया। 422 घरों में टेमिफॉस दवाओं का वितरण किया गया।

27 जुलाई 2024 को इस्पात नगरी के सेक्टर 2,5,6,7,9,10 एवं रुआबांधा सेक्टर में कुल 3889 आवासों का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण किया गया। कुल 2959 कूलरों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 337 कूलरों को खाली कराया गया। कुल 178 टंकियों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 36 टंकियों को खाली कराया गया। इसके अतिरिक्त 314 कंटेनरों, 37 टायरों का निरीक्षण कर उन्हें खाली कर उनकी सफाई व दवाइयों का छिड़काव आदि किया गया है। 414 पानी के अन्य पात्रों का निरीक्षण किया गया, जिसमे से 354 पात्रों को खाली कराया गया। 1286 घरों में टेमिफॉस दवाओं का वितरण तथा 164 घरों में होम स्प्रे से छिड़काव किया गया।

डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। डेंगू से बचने के लिए सावधानी ही सुरक्षा है, अतरू डेंगू से बचाव के उपायों को अवश्य अपनाएं। जैसे कि कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रिज की ट्रे, फूलदान, इत्यादि को प्रति सप्ताह खाली करें व धूप में सुखाकर प्रयोग करें, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायरों में पानी जमा न होने दें, घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली-परदे लगायें, पैर में मोजे पहने एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

बजरंग अग्रवाल ने अपर मंडल रेल प्रबंधक का ग्रहण किया पदभार

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के नये अपर मंड़ल रेल प्रबंधक (परिचालन) बजरंग अग्रवाल को बनाया गया हैं। 29 जुलाई को अपराह्न के बाद बजरंग अग्रवाल ने अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) रायपुर का पदभार ग्रहण किया। बजरंग अग्रवाल भारतीय रेलवे स्टोर सेवा (IRSS) -2005 बैच के अधिकारी है। बजरंग अग्रवाल पश्चिम रेलवे में उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (प्रशासन) पद पर कार्यरत थे।

बजरंग अग्रवाल ने वर्ष 2015 में महाप्रबंधक रेल सेवा पदक से भी सम्मानित हैं। इन्होने आई आई एस सी (IISc) बेंगलुरु से एम. टेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) की उपाधि हासिल की है। वर्ष 2017 में जापान से हाई स्पीड ट्रेन की ट्रेनिंग भी की है। बजरंग अग्रवाल पूर्व में सेंटर रेलवे में डिप्टी चीफ विजिलेंस ऑफिसर और उप मुख्य सामग्री प्रबंधक मटुंगा वर्कशॉप मुंबई के पदो पर भी कार्य कर चुके है।

डीए और एरियर्स के लिए अगस्त क्रांति का ऐलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने लेकर रहिबो लेकर रहिबो, मोदी की गारंटी लेकर रहिबो अब नई सहिबो अब नई सहिबो मोदी की गारंटी लेकर रहिबो के नारे के साथ अगस्त क्रांति का एलान कर दिया है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने लेकर रहिबो लेकर रहिबो,मोदी की गारंटी लेकर रहिबो अब नई सहिबो अब नई सहिबो मोदी की गारंटी लेकर रहिबो के नारे के साथ अगस्त क्रांति का एलान कर दिया है। संयोजक कमल वर्मा, सचिव राजेश चटर्जी एवं प्रवक्ता द्वय आर चंद्रा तथा चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि 6 अगस्त 24 को इंद्रावती भवन (संचालनालय) से महानदी भवन (मंत्रालय) तक दोपहर 2 बजे से मशाल रैली आयोजित कर फेडरेशन प्रदर्शन करेगा।

मशाल रैली में फेडरेशन के घटक संगठनों के प्रांताध्यक्ष एवं संभाग तथा जिला संयोजक पदाधिकारियों सहित भाग लेंगे। फेडरेशन ने चार स्तरीय आंदोलन का घोषणा किया है। प्रथम चरण में 6 अगस्त को इंद्रावती भवन से महानदी भवन तक मशाल रैली प्रदर्शन,द्वितीय चरण में 20 से 30 अगस्त तक सांसदों एवं विधायकों को ज्ञापन,तृतीय चरण में 11 सितंबर को जिला/ब्लॉक/तहसीलों में मशाल रैली का आयोजन एवं चौथे चरण में 27 सितंबर को सामूहिक अवकाश लेकर जिलों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन होगा।

उड़ीसा के बाद छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक राज्य

उद्योगों की बिजली महंगी करना सरकार का मूर्खतापूर्ण निर्णय : भूपेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में लोहा उद्योग बंद करने के व्यापारी के निर्णय को दुर्भाग्यजनक बताते हुए कहा है कि लोहा उद्योग छत्तीसगढ़ की रीढ़ है और उनकी बिजली महंगी करना विष्णुदेव सरकार का मूर्खतापूर्ण निर्णय है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उद्योगपतियों को गलतफहमी हो गई है, तो वे बिजली का बिल देख लें और समझ जाएंगे कि दरअसल गलतफहमी सरकार को हुई है।

छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ स्पॉन्ज आयरन मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडलों से मिलने के बाद बघेल ने कहा कि सरकार झूठ बोल रही है कि बिजली के दरों में सिर्फ 25 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि 'लोड फैक्टर इंसेन्टिव' सहित कुछ अन्य छूट बंद करने से उद्योगों को प्रति यूनिट 6.10 रुपए की बिजली 7.62 पैसे प्रति यूनिट की पड़ रही है। छत्तीसगढ़ के निर्माण के बाद से पहली बार उद्योगपति तालाबंदी जैसा बड़ा निर्णय लेने को बाध्य हुए हैं, तो इसकी वजह तो होगी ही, गलतफहमी में इतना बड़ा निर्णय नहीं लिया जाता।

बघेल ने बताया कि उड़ीसा के बाद छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक राज्य है, जबकि तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल आता है। उन्होंने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि ओडीशा में उद्योगों को बिजली 5 रुपए और पश्चिम बंगाल में 4.91 रुपए की दर से मिल रही है, यहां तक कि जिंदल पार्क में बिजली 5 रुपए की दर से मिल रही है। तो फिर छत्तीसगढ़ सरकार क्यों इसी दर पर बिजली नहीं देती? बघेल ने कहा कि यदि इतनी महंगी बिजली मिलेगी तो छत्तीसगढ़ के उद्योग प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे और इससे राज्य और केंद्र सरकार को ही नुकसान होगा।

रोजगार और राजस्व पर असर

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर सरकार ने नौकरियों में भर्ती रोक रखी है, दूसरी ओर वह कम से कम दो लाख लोगों का रोजगार छीन रही है। अप्रत्यक्ष रूप से इससे दो लाख से बहुत अधिक संख्या में लोगों का रोजगार प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि इससे राज्य को राजस्व का भी भारी नुकसान होगा। आज ही बिजली की खपत में छह सौ मेगावाट की कमी आ गई है और आने वाले दिनों में यह कमी एक हजार मेगावाट तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि उद्योगपति दावा कर रहे हैं कि वे सरकार को 20 हजार करोड़ का राजस्व देते हैं, तो अब सरकार को सोचना है कि वह इसकी क्षतिपूर्ति कैसे करेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के नवनियुक्त 10वें राज्यपाल रमेन डेका ने ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त 10वें राज्यपाल रमेन डेका ने शपथ ली। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और बड़ी संख्या में अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रायपुर. छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त 10वें राज्यपाल रमेन डेका ने शपथ ली। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और बड़ी संख्या में अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राज्यपाल रमेन डेका ने शपथ ग्रहण से पहले मां काली के दरबार में जाकर दर्शन किए। उन्होंने मां काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर देवी मां का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान नवनियुक्त राज्यपाल की धर्मपत्नी रानी डेका काकोटी और अन्य परिजन भी मौजूद रहे। राज्यपाल रमेन डेका असम के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रहे और भाजपा में राष्ट्रीय स्तर पर कई जिम्मेदारियों को संभाला। वह पहली बार 2009 में असम की मंगलदोई सीट से सांसद चुने गए. उसके बाद 2014 में लगातार दो बार सांसद बने। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। भाजपा में कार्य करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी कई जिम्मेदारियां संभाली हैं।

विश्वभूषण हरिचंदन ने प्रदेश की जनता का जताया आभार

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने छत्तीसगढ के राज्यपाल बतौर अपने कार्यकाल को अत्यंत सुखद बताया उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता का आभार व्यक्त करते हुए उनसे मिले आदर और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, जनप्रतिनिधियों सहित छत्तीसगढ़ शासन के अधिकारियों, राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनके कार्यकाल के दौरान सहयोग प्रदान किया।

राज्यपाल हरिचंदन ने अपने संदेश में कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और यहां लोगों की मेहनत, समर्पण और साहस को नजदीक से देखा। यहां की भूमि न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है बल्कि छत्तीसगढ़ के लोग भी अत्यंत सरल, सहज होते हैं। सभी लोगों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है उसे भूलना संभव नहीं है।

राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों को लागू किया गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी गुणवत्तायुक्त, अध्ययन-अध्यापन हो जिससे विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर हो सके यह उनकी कोशिश रही। विश्वविद्यालयों में समय पर दीक्षांत समारोह करने के निर्देश दिये। कुलाधिपति के रूप में उन्होंने सदैव विद्यार्थियों को राष्ट्र की सेवा करने एवं गरीब, शोषित व वंचित वर्ग के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों, वंचित और हाशिये में पड़े लोगों को आगे लाने का कार्य कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ में इसका असर दिखता है। आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में मनाया गया और लोगों ने इसमें शामिल होकर राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट की। राज्यपाल ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को अपनी मातृभूमि की बेहतरी के बारे में सोचना चाहिए। भारत अभी देश की पांचवी आर्थिक महाशक्ति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है कि शीघ्र ही देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। हमारा लोकतंत्र सबके संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा करता है। विश्व राजनीति में भारत की अहम भूमिका है। जिस तरह से दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है।

हरिचंदन ने कहा कि राज्यपाल के रूप में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। राजभवन के दरवाजे सदैव सभी के लिए खुले रहे। उन्होंने यह हमेशा प्रयास किया कि राजभवन सरकार और जनता के बीच एक मजबूत पूल बन सकें। सबकी सहभागिता और समर्थन से यह संभव हो पाया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की।

अब छुट्टी के लिए ऑनलाइन आवेदन करेंगे शिक्षक, नया आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षकों और शिक्षा विभाग के कार्यालयों में अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अवकाश के आवेदन किए जाएंगे एवं ऑनलाइन माध्यम से ही अवकाश स्वीकृत की जाएगी। इसके लिए डीपीआई दिव्या मिश्रा ने आदेश जारी कर दिए हैं। ऑफ्लाइन माध्यम से स्वीकृति करने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफकार्यवाही की जाएगी।

लोक शिक्षण संचालक दिव्या मिश्रा ने सभी संभागों के संयुक्त संचालकों और सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को विभागीय पोर्टल के माध्यम से अवकाश स्वीकृत करने के संबंध में आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार विभागीय पोर्टल का उपयोग कर अपने कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के अवकाश के आवेदन की प्राप्ति तथा स्वीकृति हेतु समस्त संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके अलावा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश स्वीकृत करने तथा अपने अधीनस्थ कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों शिक्षकों की सेवा पुस्तिका का संधारण अद्यतन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। ऑफलाइन आवेदन मान्य किए जाने की स्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी व संयुक्त संचालक शिक्षा को जवाबदारी मानकर कार्यवाही की जावेगी।

डीपीआई दिव्या मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 1 अगस्त 2024 से सभी खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में तथा 12 अगस्त 2024 से समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासकीय कार्यालयों में अवकाश प्राप्ति एवं स्वीकृत की प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जावेगी उपरोक्त दिनांक के पश्चात ऑफ्लाइन किया गया आवेदन स्वमेव निरस्त माना जाएगा।

जनसमस्या निवारण शिविर में हितग्राहियों को मछली जाल व आइस बॉक्स का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अभनपुर ब्लॉक के ग्राम पलौद में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे और उनकी समस्याओं को दर्ज करने के बाद निराकरण किया गया। शिविर में विधायक इंद्रकुमार साहू, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह व एसएसपी संतोष सिंह शिविर में शामिल हुए और उन्होंने हितग्राहियों को मछली जाल व आइस बॉक्स का वितरण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

पलौद के जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। जहां पर विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर आवेदन के माध्यम से प्रकरण दर्ज किया। इस दौरान 104 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसमें 4 शिकायत के मामलों का भी निराकरण हुआ। जनसमस्या निवारण शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, राशन कार्ड, उज्जवला गैस योजना समेत विभिन्न प्रकार आवेदन प्राप्त हुए गए। अन्य आवेदनों का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को भेज दी गई है।

जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर से समस्या का निदान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन कॉल पर समस्या का समाधान मिल रहा है। बसंत विहार गुढ़ियारी से गिरधारी लाल तेजवानी ने कलेक्टर समस्या निवारण कॉल सेंटर पर शिकायत दर्ज कराई कि उनके दुकान में रात से बिजली गुल है। श्री तेजवानी की शिकायत पर बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा कुछ घंटे भर में ही समाधान किया गया। तत्काल कार्यवाही से आवेदक ने प्रसन्नता व्यक्त की।

आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 प्रवचन में मुनिश्री ने कहा हर एक शब्द सोच-समझकर बोले

ध्यान दें कि किसी को आपकी बातें बुरी न लगे: विरागमुनि

रायपुर। दादाबाड़ी में आत्मस्पर्शी चातुर्मास 2024 के प्रवचन श्रृंखला में मंगलवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनि जी ने कहा कि हर एक बात हमें सोच समझ कर बोलना है क्योंकि ना जाने कब कौन सा शब्द किसे दुख पहुंचा सकते हैं यह आपको भी नहीं पता। अगर किसी को आपकी बातों से बुरा लगता है तो उसका प्रायश्चित भी आपको करना होगा। आप भले ही मोक्ष के राह पर चल रहे हो लेकिन आपके कर्मों का हिसाब तो आपको चुकाना ही पड़ेगा आपको अपना अकाउंट क्लियर ही करना पड़ेगा। केवल शब्दों से ही नहीं हम अपनी दिनचर्या से न जाने कितने निर्दोषों की हत्या कर देते हैं। आपसे टकराने वाली हवा भी आपके शरीर के आसपास करते ही अपना दम तोड़ देती है वैसे ही पानी की बूंद आप पर पड़े तो शरीर ही गर्माहट से उसकी हत्या हो रही है। आज हम एक टीवी, कूलर, फ्रिज, वाशिंग मशीन जैसे बहुत सी सुख-सुविधा की मशीनों का उपयोग करते हैं और इसे कई जीवों की हत्या हो जाती है, जो हम आज जानबूझकर कर रहे हैं और हम भी आगे इससे बच नहीं पाएंगे।

मुनिश्री कहते हैं कि ज्ञान वही जो आचरण में आ जाए। मोक्ष प्राप्त करने के लिए आज हमें जो करना है इसी भव में करना है। वहीं, आज हम सोचते हैं कि पहले परिवार पाल लेते हैं, पहले व्यापार कर लेते हैं फिर धर्म करेंगे, मोक्ष की राह पर बाद में चलेंगे। क्या कभी आपने ऐसा सोचा है कि आज धर्म कर लेते हैं और कल व्यापार कर लेंगे, नहीं ना तो फिर आपका कल्याण कहां से होगा।

मुनिश्री ने आगे कहा कि आपके अंदर अध्यात्म जाएगा तो संस्कार भी आ जाएगा। आज लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए किसी की भी झूठी तारीफ करने को तैयार हो जाते हैं। मन में, सीने में किसी के लिए सम्मान हो या नहीं लेकिन मुंह से झूठी तारीफ हम जरूर कर रहे हैं। मीठी-मीठी बातें कर सामने वाले व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित कर अपना काम निकल रहे हैं। आज पैसा कमाने के लिए व्यक्ति किसी भी हद को पार करने के लिए तैयार है। जबकि आज हमें पैसे कमाने के बदले हर क्षण को प्रभावशाली बनाना है ताकि हमें पैसों की आवश्यकता ना पड़े। हमें खुद का परीक्षण करने और अपने आप को पहचानना है कि हम क्या कर सकते हैं केवल पैसे ही कमाना लक्ष्य नहीं होना चाहिए।

आत्मस्पर्शी चातुर्मास समिति 2024 के प्रचार प्रसार संयोजक तरुण कोचर और निलेश गोलछा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि दादाबाड़ी में प्रतिदिन सुबह 8.45 से 9.45 बजे मुनिश्री की प्रवचन श्रृंखला जारी है, आप सभी धर्म बंधुओं से निवेदन है कि जिनवाणी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

निगम ने अभियान चलाकर 120 आवारा मवेशियों को सड़कों से पकड़ा

रायपुर। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा निर्देश अनुरूप रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम के सभी 10 जोनो द्वारा सड़क मार्गों में काउकेचर एवं विशेष टीम के श्रमवीरों की सहायता से आवारा मवेशियों की धरपकड़ करने अभियान सतत निरंतर जारी है।

अभियान के तहत जोन 1 की टीम द्वारा 14, जोन 2 की टीम ने 14, जोन 3 की टीम ने मार्गो से 3 आवारा मवेशियों

की धरपकड़ कर गौठान में छोड़ा। जबकि जोन 4 ने 9 और जोन 5 ने 12 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की। जोन 6 की टीम ने 11 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की। जोन 7 ने 11, जोन 8 ने 16, जोन 9 ने 17 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की। जोन 10 से 13 आवारा मवेषी की धरपकड़ काउकेचर वाहन एवं विशेष टीम की श्रमवीरों की सहयोग से करते हुए उन्हें गौठान छोड़ा। आज अभियान के तहत जोनों की काऊकैचर टीमों ने कुल 120 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की आवारा मवेशियों की धरपकड़ का अभियान सतत निरंतर जारी रहेगा।

विश्व आदिवासी दिवस पर होगा प्रतिभाओं का सम्मान

विश्व आदिवासी दिवस पर सम्मानित होंगी विशिष्ट विभूतियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को राजधानी में जनजाति समाज की विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

जनजाति समाज की विभूतियां जिन्होंने शैक्षणिक, सामाजिक, समाज सेवा, सांस्कृतिक, पर्यावरण संरक्षण, ट्राइबल आर्ट, खेल-कूद, कृषि और चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की है उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति, अपने नाम, विशिष्ट उपलब्धि, बायोडाटा, मोबाईल नंबर, जिले आदि की विस्तृत जानकारी के साथ कलेक्टर कार्यालय के आदिवासी विकास शाखा कक्ष क्रमांक-40 में 02 अगस्त तक जमा कर सकते हैं।

लाइफ हिल गई सीरीज में आखिर क्या आया कुशा कपिला को पसंद?

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं कुशा कपिला ने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्हें इस सीरीज में जो पसंद आया, वह यह कि उनके किरदार कल्कि को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है।

कुशा ने कहा, मैं 2017 से कंटेंट बना रही हूं और 2019 से मैंने अपना खुद का काम शुरू किया। मैंने साउथ दिल्ली की एक लड़की का किरदार निभाया है, जो अमीर है... उसे दूसरों की परवाह नहीं है। इसलिए, जब मुझे इस तरह का किरदार निभाने के लिए चुना गया, तो मुझे यह सही लगा।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, शो में मुझे जो खास पसंद आया, वह यह है कि मेरे किरदार को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है। कुशा ने कहा, जब हम किसी किरदार को छोटे स्केच या रील्स में दिखाते हैं, तो हम उन्हें थोड़ा कार्टून जैसा या मजाकिया बना सकते हैं। लेकिन जब हम उन्हें पर्दे पर दिखाते हैं, तो हमें उन्हें ज्यादा वास्तविक और सही तरीके से दिखाना होता है।

उन्होंने कहा, शुरुआती विचार मेरे काम से जुड़ा हो सकता है, लेकिन इमोशनल और कॉमेडी के पीछे डायरेक्टर्स और राइटर्स है, जो सभी किरदारों को खास बनाना चाहते है। प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित और जसमीत सिंह भाटिया द्वारा लिखित इस सीरीज में दिव्येंदु, विनय पाठक, मुक्ति मोहन, कबीर बेदी, भाग्यश्री और अदिति गोवित्रिकर भी हैं। लाइफ हिल गई 9 अगस्त से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

हाल ही में सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसमें कबीर बेदी एक बड़े बिजनेसमैन और होटल गुड मॉर्निंग वुड्स विला के मालिक के रोल में है। वहीं दिव्येंदु और कुशा कपिला उनके पोता-पोती के किरदार में हैं। कबीर बेदी ऐलान करते हैं कि जो उनके होटल गुड मॉर्निंग वुड्स विला को दोबारा से खड़ा करने में जो कामयाब होगा, वो अपनी पूरी संपत्ति उसी के नाम करेंगे। प्रॉपर्टी को पाने के लिए दोनों भाई-बहन कई तरह के हथकंडे अपनाते हैं, जो दर्शकों को गुदगुदाने का काम करेंगे।

क्या अकेले रहने से डिप्रेशन में जाने का खतरा ज्यादा होता है?

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग अकेले रहना पसंद करते हैं या उन्हें अकेले रहना पड़ता है। अकेले रहने से आपको आजादी और शांति मिलती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसका आपकी मेंटल हेल्थ पर क्या असर पड़ सकता है? अकेलापन और डिप्रेशन के बीच क्या संबंध है? अकेले रहना क्या सच में डिप्रेशन का खतरा बढ़ा सकता है? आज हम जानेंगे कि अकेले रहने का हमारे मेंटल हेल्थ पर क्या प्रभाव पड़ता है और एक्सपर्ट्स इस बारे में क्या सलाह देते हैं। आइए जानते हैं।

अकेलापन और मेंटल हेल्थ

अकेले रहना कभी-कभी अच्छा लगता है क्योंकि इससे हमें अपनी आजादी मिलती है और हम अपने हिसाब से जिंदगी जी सकते हैं। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अकेले रहते हैं, तो इससे आपकी मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अकेलेपन से आपको उदासी, तनाव और चिंता महसूस हो सकती है। लंबे समय तक अकेलापन रहने से डिप्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए, अपने दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं और नई एक्टिविटी में शामिल हों ताकि आपका मेंटल हेल्थ बेहतर बना रहे।

अकेलापन और डिप्रेशन

जब हम अकेले होते हैं, तो हमारे पास किसी से बात करने और अपने विचार साझा करने का मौका कम हो जाता है। इससे हम उदास और अकेलापन महसूस करने लगते हैं। लंबे समय तक अकेलापन बना रहे, तो यह डिप्रेशन का कारण बन सकता है। अकेलेपन से तनाव और चिंता भी बढ़ सकती है, जिससे डिप्रेशन का खतरा और ज्यादा हो जाता है।

सामाजिक होने के फायदे

सामाजिक संपर्क हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने से हमें खुशी मिलती है और तनाव कम होता है। जब हम अकेले होते हैं, तो यह सामाजिक संपर्क कम हो जाता है, जिससे डिप्रेशन का खतरा बढ़ सकता है।

एक्सपर्ट की राय

- समय-समय पर दोस्तों और परिवार से मिलें: अपने दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं। इससे आपको भावनात्मक समर्थन मिलेगा और आप अकेला महसूस नहीं करेंगे।
- नई गतिविधियों में शामिल हों: कोई नया शौक अपनाएं या किसी क्लब में शामिल हों। इससे आपकी सामाजिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी और आप नए लोगों से मिलेंगे।
- पेशेवर मदद लें: अगर आपको लगता है कि आप डिप्रेशन में जा रहे हैं, तो किसी मनोवैज्ञानिक या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें।

डिप्रेशन का लक्षण

- लगातार उदासी: व्यक्ति हर समय उदास और निराश महसूस करता है।
- रुचि खो देना: पहले जिन चीजों में आनंद आता था, उनमें अब कोई रुचि नहीं रहती।
- थकान और ऊर्जा की कमी: व्यक्ति हमेशा थका-थका और ऊर्जा हीन महसूस करता है।
- नींद की समस्या: बहुत ज्यादा सोना या बहुत कम सोना।
- भूख में बदलाव: भूख कम हो जाना या बहुत ज्यादा खाना।
- ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल: काम या पढ़ाई में ध्यान नहीं लगता।
- आत्मविश्वास की कमी: खुद को बेकार या नाकाम समझना।
- चिड़चिड़ापन: छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना या चिड़चिड़ापन महसूस करना।
- शारीरिक समस्याएं: सिरदर्द, पेट दर्द या अन्य शारीरिक समस्याएं जिनका कोई स्पष्ट कारण न हो।
- आत्महत्या के विचार: जीवन को समाप्त करने के विचार आना।

मोनालिसा ने जंपसूट पहने ढाया कहर

भोजपुरी क्वीन का ग्लैमरस अवतार देखकर आप भी रह जाएंगे दंग

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर लोगों के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट पर का पारा हाई करती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से फैंस को दीवाना बनाए रखती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।

मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी पसंद करते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान लाइट ग्रीन कलर का जंपसूट पहना हुआ है, जिसमें वो कमर पर हाथ रखकर एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।

मोनालिसा अपने इस आउटफिट में बेहद कूल नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके इस लुक को देखकर काफी ज्यादा इंप्रेस हो गए हैं। कानों में इयररिंग्स, नो मेकअप लुक और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को अक्सर फॉलो करते हैं।

करण जौहर की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर जारी, सस्पेंस और एक्शन का दिखा दम

करण जौहर पिछले कुछ समय से अपनी आगामी वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह को लेकर चर्चा में हैं। करण जानी-मानी निर्माता गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह सीरीज बना रहे हैं।इस सीरीज में राघव जुयाल और धैर्य कारवा मुख्य भूमिका नजर आएंगे। कृतिक कामरा भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रही हैं।अब ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो सस्पेंस और एक्शन से भरपूर है। इसमें राघव और कृतिका गुत्थी सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं।

इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों का खुलासा हो सकता है? राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किल के लिए साथ आए थे।

इस सीरीज का निर्देशन उमेश बिष्ट ने किया है। इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से जी5 पर होगा। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों का खुलासा हो सकता है? राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण जौहर के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले राघव, करण जौहर की हाल ही में रिलीज हुई किल में भी नजर आए हैं।

ग्यारह ग्यारह दो अलग-अलग युगों के पुलिस अधिकारियों की एक रोचक कहानी है, जो एक रहस्यमय वॉकी-टॉकी से जुड़े हैं और अतीत और वर्तमान पर इसका प्रभाव पड़ता है। 1990 के दशक के वरिष्ठ जासूस शौर्य अंथवाल (धैर्य करवा) और एक युवा पुलिस अधिकारी युग आर्या (राघव जुयाल) खुद को एक ऐसे संचार उपकरण से जुड़ा हुआ पाते हैं, जो रात 11:11 बजे 60 सेकंड के लिए सक्रिय होता है। इस सीरीज में गौतमी कपूर, हर्ष छाया, पूर्णेंदु भट्टाचार्या, मुक्ति मोहन, गौरव शर्मा भी हैं।

आपको अपना चेहरा कितनी देर तक धोना चाहिए? जवाब जानकर आप चौंक जाएंगे!

चेहरे की देखभाल में सही तरीके से धोना बहुत जरूरी है। लेकिन क्या आपको पता है कि चेहरा कितनी देर तक धोना चाहिए? इस सवाल का जवाब जानकर आप चौंक जाएंगे। इससे आपकी त्वचा की गंदगी, तेल अच्छी तरह साफ हो जाती हैं और त्वचा की नमी भी बनी रहती है। ज्यादा देर तक चेहरा धोने से त्वचा रूखी हो सकती है। इसलिए, सही समय और तरीके से चेहरा धोना बहुत जरूरी है। जानिए कैसे करें अपने चेहरे की सही देखभाल।

चेहरा धोने का सही समय

डॉक्टरों और त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, चेहरे को 30 से 60 सेकंड तक धोना सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय में आपके चेहरे की गंदगी और तेल अच्छी तरह से साफ हो जाती हैं। इससे ज्यादा देर तक चेहरा धोने से त्वचा की नमी कम हो सकती है और इससे त्वचा रूखी हो सकती है।

ज्यादा देर तक धोने से नुकसान

अगर आप सोचते हैं कि चेहरा ज्यादा देर तक धोने से और भी साफ होगा, तो यह गलतफहमी है। ज्यादा देर तक चेहरा धोने से त्वचा की नेचुरल नमी खत्म हो सकती है और इससे त्वचा में जलन हो सकती है।

सही तरीके से चेहरा धोने के टिप्स

- डबल-क्लींजिंग: अगर आप पहले ऑयल क्लींजर से गंदगी, मेकअप और सनस्क्रीन हटाते हैं और फिर पानी आधारित क्लींजर से धोते हैं, तो 30 सेकंड काफी होते हैं।
- सिंगल क्लींजर: अगर आप सिर्फ एक क्लींजर का इस्तेमाल करते हैं, तो इसे चेहरे पर एक मिनट तक मसाज करें ताकि सारी गंदगी अच्छी तरह से साफ हो जाए।
- एक्सफोलिएटिंग क्लींजर: अगर आपके क्लींजर में एएचए, बीएचएया बेंज़ोयल पेरोक्साइड जैसे तत्व हैं, तो इसे 60 सेकंड तक लगाए रखें। इससे ये तत्व अपना काम सही से कर सकेंगे।
- सेंसिटिव स्किन के लिए : जिन लोगों की त्वचा बहुत नाजुक होती है, उन्हें हल्के क्लींजर का उपयोग करना चाहिए और दिन में केवल एक बार ही चेहरा धोना चाहिए।
- सामान्य त्वचा: बाकी लोगों के लिए दिन में दो बार चेहरा धोना सही है। सुबह धोने के लिए सौम्य क्लींजर का इस्तेमाल करें।
- सॉफ्ट मसाज: चेहरे को जोर से रगड़ने की बजाय, अपनी कोमल उंगलियों से क्लींजर लगाएं।
- पानी का उपयोग: क्लींजर लगाने से पहले अपने हाथों और चेहरे पर थोड़ा पानी लगा लें ताकि फॉर्मूला अच्छी तरह से घुल जाए।
- मॉइस्चराइजिंग: चेहरा धोने के बाद हमेशा मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पानी का उपयोग: क्लींजर लगाने से पहले अपने हाथों और चेहरे पर थोड़ा पानी मिला लें ताकि फॉर्मूला अच्छी तरह से घुल जाए।

सोनू सूद के बर्थडे पर फतेह की रिलीज डेट का एलान जैकलीन फर्नांडिस संग आया एक्टर का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता और गरीबों के मसीहा सोनू सूद अपने 51वां बर्थडे के मौके पर एक्टर को उनके फैंस और सेलेब्स दोस्त बधाईयां दे रहे हैं। वहीं, सोनू सूद ने भी अपने चाहने वालों को रिटर्न गिफ्ट में अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह की रिलीज डेट का एलान किया है। साथ ही सोनू ने फिल्म से अपना और फिल्म की लीड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। सोनू सूद लंबे समय से अपनी फिल्म फतेह पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन खुद सोनू सूद ने किया है।

जी स्टूडियो के बैनर तले बनी फिल्म फतेह को खुद सोनू सूद ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में वह लीड रोल में होंगे और जैकलीन फर्नांडिस फीमेल लीड रोल प्ले करेंगी। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आज 30 जुलाई को आखिरकार फतेह की रिलीज डेट का एलान कर ही दिया है। फिल्म अगले साल 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फैंस के लिए रिटर्न गिफ्ट पोस्ट शेयर कर सोनू ने लिखा है, 10 जनवरी, देश की बेस्ट एक्शन फिल्म के लिए तैयार रहें। जी स्टूडियो ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, फतेह के साथ शानदार, अनदेखे, एक्शन पैक्ड एक्सपीरियंस को लेने के लिए खुद को तैयार कर लो।

फिल्म फतेह से दो पोस्टर शेयर किए गये हैं। पहले पोस्टर में सोनू सूद सूट-बूट में हाथ में बैग लिए समंदर किनारे खड़े हैं। उनके पीछे एक लोहे का पुल दिख रहा है। फिल्म के दूसरे पोस्टर में सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडिस दिख रहे हैं। दूसरे पोस्टर में जैकलीन घबराई हुई और सोनू इंटेंस लुक में दिख रहे हैं।

खास खबर

शिविर में जनता के समस्याओं का किया जा रहा है निराकरण

बालोद। राज्य शासन के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्रों में निवास करने वाले आम नागरिकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जिले के नगरीय निकायों में जन समस्या निवारण शिविर के आयोजन का क्रम निरंतर जारी है। आज नगरीय निकायों में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में बड़ी संख्या में नगरीय क्षेत्र के लोगों ने शिविर में उपस्थित होकर अपने मांगों एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान मौके पर उपस्थित नगर पंचायत अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित अन्य जन प्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी कर्मचारियों ने शिविर में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु समुचित कार्रवाई सुनिश्चित की। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा अनेक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी क्रम में आज नगर पालिका बालोद के वार्ड क्रमांक 04 के महात्मा गांधी एवं वार्ड क्रमांक 05 हलधर वार्ड निवासियों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान राशन कार्ड बनाने हेतु कुल 05, लोक निर्माण विभाग से संबंधित कुल 28, पेयजल से संबंधित 11, राजस्व विभाग से संबंधित कुल 05, विद्युत विभाग से संबंधित कुल 06, यातायात 03, क्रेडा में 03 आवेदनों के अलावा शिविर में जन्म-मृत्यु, शहरी आजीविका मिशन, समाज कल्याण, महिला बाल विकास, भवन अनुज्ञा, सामाजिक पेंशन आदि से संबंधित कुल 86 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इसी तरह नगर पालिका दल्लीराजहरा के वार्ड क्रमांक 06 एवं 07 के लिए वार्ड क्रमांक 06 नारायण होटल के पीछे मंच में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

जिले में भव्य एवं गरिमामय ढंग से आयोजित हो स्वतंत्रता दिवस समारोह - सीईओ डॉ. कन्नौजे

बालोद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि 15 अगस्त को जिला मुख्यालय बालोद के अलावा जिले के सभी स्थानों पर भव्य एवं गरीमामय ढंग से स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन सुनिश्चित की जाए। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को समय रहते सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. कन्नौजे आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल एवं बेहतर आयोजन के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक एवं राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में डॉ. कन्नौजे ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन से जुड़े सभी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समारोह का आयोजन जिला मुख्यालय बालोद के स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यालय एवं विभाग प्रमुखों को 15 अगस्त को सुबह 07.30 बजे अपने-अपने कार्यालयों में ध्वजारोहण कर सुबह 08 बजे संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में आयोजित ध्वजारोहण समारोह के दौरान उपस्थित होने के निर्देश दिए। इसके पश्चात् जिला मुख्यालय में पदस्थ सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सुबह 09 बजे स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित ध्वजारोहण एवं जिला स्तरीय समारोह में अनिवार्य रूप से शामिल होने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास 13 अगस्त को सुबह 09 बजे स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में किया जाएगा। डॉ. कन्नौजे ने जिला स्तरीय समारोह के अलावा जिले के अन्य स्थानों पर आयोजित समारोह में स्थानीय जन प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई की व्यवस्था, शहीद परिवारों को उनके घर से कार्यक्रम स्थल तक ससम्मान लाने ले जाने की व्यवस्था, सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान निर्बाध विद्युत व्यवस्था, पेयजल एवं जलपान की व्यवस्था, फायर बिग्रेड की उपलब्धता, उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान आदि सम्पूर्ण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भारत का प्रदर्शन विश्व के लिए आदर्श, देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को विश्व के लिए आदर्श बताते हुए मंगलवार को कहा कि भारत महामारी के बाद तेजी से पुनः उच्च आर्थिक वृद्धि की राह पर लौट आया है तथा उनके वायदे के अनुसार, उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और भारत सधे हुये कदमों से इस ओर बढ़ रहा है और निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा।

मोदी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से बजट 2024-25 पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है कि चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, वो चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। इसलिए, मैं आपको याद दिलाता हूं कि मैंने कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है।

सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री के स्वागत भाषण में कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हुआ है और भारत को विश्व में एक नयी जगह मिली है और भारत आज दुनिया की सबसे तीव्र गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प में उद्योग जगत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुये, इस बजट में रोजगार प्रोत्साहन जैसी योजनाएं लाने के बारे में उद्योग जगत के सुझावों को शामिल किये जाने के प्रति प्रधानमंत्री का आभार जताया।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार जिस बड़े पैमाने और बड़ी रफ्तार से काम कर रही है वह अभूतपूर्व है तथा वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारत में जो आर्थिक वृद्धि दर और राजकोषीय संतुलन कायम रखा है, वह दुनिया के लिये एक आदर्श है। भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि में 16 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। उन्होंने कहा विश्वास जताया कि उनकी सरकार ने 10 वर्ष में जो सुधार किये हैं, वे अर्थव्यवस्था को विकसित भारत की तरफ ले जा रहे हैं और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा।

प्रधानमंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के प्रयास में सरकार के साथ न केवल कंधा से कंधा मिलकर काम करने बल्कि सरकार के साथ प्रतिस्पर्धा कर सरकार को पीछे छोड़ने का आह्वान किया। मोदी ने कहा, आज भारत आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक वृद्धि कर रहा है, आज हम विकसित भारत की ओर प्रयाण की बात कर रहे है। वह दिन दूर नहीं, जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जायेगा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2014 में पहली बार सत्ता संभाली थी, तब प्रश्न था कि अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लायें। उससे पहले भारत को पांच दुर्बल अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और उस समय के सरकार के बड़े-बड़े घोटालों की चर्चा होती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत को महासंकट से उबारकर हम इस ऊंचाई पर लाये हैं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार का आखिरी बजट 16 लाख करोड़ रुपये का था, आज वह तीन गुना होकर 48 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इसी तरह, 2004-14 के बीच पूंजीगत बजट सालाना 90 हजार करोड़ रुपये से दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, हमारी सरकार में कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) पांच गुना बढ़कर इस बार के बजट में 11 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक रखा गया है। उन्होंने कहा कि हमने कर की दरों में रिकॉर्ड कटौती करने के बावजूद, रेलवे, सड़क और अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिये पूंजीगत व्यय बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, बात केवल कर घटाने, पूंजीगत व्यय बढ़ाने की ही नहीं बल्कि सुशासन की भी है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में दुनिया की सबसे बड़ी महामारी का संकट आया। कई देशों में बड़ी लड़ाइयां छिड़ीं और देश में सूखा तूफान तथा भूकंप जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाएं आयीं।

मोदी ने कहा कि यदि यह संकट न होते, तो भारत आज और नयी ऊंचाई पर होता, यह मेरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि सरकार कारोबार में आसानी, जीवन में आसानी और उद्योग 4.0 (डिजिटलीकृत औद्योगिक युग) के लिये तमाम कदम उठाये हैं। आज भारत के युवाओं में यह विश्वास बना है कि वह अपने दम पर कुछ कर सकते हैं।

अमरनाथ यात्रा : 31 दिनों में 4.66 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को 1,477 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इसी के साथ अब तक अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 4.66 लाख हो गई है।

अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी। मंगलवार को 1,477 तीर्थयात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया, 377 यात्रियों को लेकर 13 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला सुबह 3.25 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 1,100 यात्रियों को लेकर 39 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला भी उसी समय दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दोनों काफिलों के आज दोपहर से पहले घाटी में पहुंचने की उम्मीद है।

सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों के कारण इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है।

गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग 48 किलोमीटर लंबा है। जिससे बाबा बर्फानी तक पहुंचने में 4 से 5 दिन लग जाते हैं। दूसरा मार्ग बालटाल का है। ये 14 किलोमीटर लंबा है। इस मार्ग का चयन करने वाले लोग 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं।

डॉ. सुजाता दास की कृति ब्रिटिश युगीन बस्तर को मिला अखिल भारतीय साहित्य सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही महाराष्ट्र की साहित्यिक संस्थान विदर्भ हिन्दी साहित्य अर्थन मंच, नागपुर द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में देश भर से प्राप्त कृत्तियों का 03 सदस्यीय श्रेष्ठ निर्णायक मंडल द्वारा 06 माह तक गहन अध्ययन अवलोकन किया गया।

कड़ी प्रतिस्पर्धा उपरांत घोषित परिणाम में डॉ0 सुजाता दास की कृति ब्रिटिश युगीन बस्तर 1854-1947 को इतिहास आधारित उत्कृष्ट शोध परख कृति के रूप में प्रतिष्ठित आनंदराव लडके स्मृति सम्मान 2024 के लिये चयन किया गया जिसकी घोषणा 10 जून 2024 को की गई थी। इस प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों से अलग-अलग विधाओं में देश के 28 साहित्यकारों की कृतियों का चयन किया गया।

28 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के संतरा नगरी कहे जाने वाले नागपुर शहर में अखिल भारतीय स्तरीय आयोजन में कुलपति श्रीकृष्ण स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, डॉ0 वेदप्रकाश मिश्रा, सेवानिवृत्त पुलिस कमिश्नर नागपुर शहर श्री भूषण कुमार उपाध्याय, आयुर्वेदाचार्य व अध्यक्ष साहित्य अर्चन मंच डॉ0 गोविंद प्रसाद उपाध्याय तथा शहर के जाने-माने साहित्यकारों व साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति में देश के 28 साहित्यकारों का मोर हिन्दी भवन के उत्कर्ष सभागृह में साहित्य अर्चन मंच द्वारा आत्मीय सम्मान किया गया जिसमें पुलिस विभाग में पदस्थ पुलिस अधिकारी डॉ0 सुजाता दास, जिला दुर्ग की उनकी कृति ब्रिटिश युगीन बस्तर 1854-1947 के लिये नकद, शॉल, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि डॉ.सुजाता दास की अब तक 03 कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं जिनमें से 02 इतिहास आधारित हैं व एक बाल कविता संग्रह है। डॉ.सुजाता दास को उनके साहित्यिक व सामाजिक योगदान के लिये अब तक कई पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

गोल्डन वॉयस अवार्ड फंक्शन में कीर्ति व्यास ने छेड़ी वायलिन की तान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गोल्डन वॉयस अवार्ड फंक्शन सीजन-3 के पुरस्कार वितरण समारोह में वयोवृद्ध वायलनिस्ट पं. कीर्ति माधव व्यास ने वायलिन की तान छेड़ दी। श्रोतागण इसमें ऐसा खोए कि स्मृति नगर के स्वामी विवेकानंद सभागार में सन्नाटा छा गया. पं. व्यास ने कहा कि कैराओके सिंगिंग से गायन की यात्रा शुरू की जा सकती है पर आगे बढ़ने के लिए लाइव म्यूजिक के साथ गाना ही पड़ेगा. उन्होंने कहा कि कैराओके ने साजिन्दों के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी कर दी हैं. उन्हें काम नहीं मिल रहा है।

समारोह में बीएसपी-ओए के अध्यक्ष नरेन्द्र बंछोर, महासचिव परविन्दर सिंह, संगीत गुरू पीटी उल्लास कुमार, दीपेन्द्र हालदार, गायिका श्रद्धा कश्यप, बी उषा, माया बनर्जी, तृप्ति साहू विशेष रूप से आमंत्रित थे. गोल्डन वॉयस अवार्ड के प्रतिभागियों के साथ ही बीएसपी द्वारा आयोजित अंतरविभागीय गायन प्रतियोगिता के विजेताओं ने भी यहां अपनी प्रस्तुतियां दीं। सभी अतिथियों ने गोल्डन वायस के इस प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की जो लगातार श्रेष्य गायकों को मंच प्रदान करने की कोशिश कर रहा है. इस अवसर पर युवा कलाकार अक्षय फिलिप ने अपनी जबरदस्त प्रस्तुति देकर लोगों का आशीर्वाद प्राप्त किया.

विभिन्न श्रेणियों में आयोजित प्रतियोगिता में 55 वर्ष से कम आयुवर्ग में नीरज मढ़रिया-विजेता तथा हेमन्त उइके एवं शैली शर्मा उपविजेता रहे. 55 से अधिक आयु वर्ग में पारिजात झा विजेता तथा ईश्वर दयाल चन्द्राकर एवं डॉ यशेश दलाल उपविजेता रहे।

सुगम संगीत के 55 वर्ष से कम आयु वर्ग में रंजनी रमेश विजेता तथा इंद्र कुमार एवं दामोदर दलाई उपविजेता रहे. 55 से अधिक आयु वर्ग में ए अजित विजेता तथा मणि शिवराम टोपिल एवं ज्योति कुमार ब्राह्मणकर उपविजेता रहे. भारतीय क्षेत्रीय भाषा वर्ग में प्रथम पुरस्कार तेलुगु गायन के लिए पी पूजा एवं बीएस मूर्ति को प्रथम पुरस्कार दिया गया. उपविजेता का पुरस्कार जीएस वेंकट सुब्रमणियम को प्रदान किया गया। सीजन-1 एवं 2 की परम्परा को जारी रखते हुए इस बार दो प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार प्रदान किये गये. इनमें बी महेश कुमार को वॉयस ऑफ किशोर कुमार तथा पारिजात झा को वॉयस ऑफ एसडी बर्मन के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन दीपक रंजन दास ने किया. इस अवसर पर गोल्डन वॉयस स्टूडियो के सुशील देव भालेकर, डॉ शशिभूषण साहू, डॉ लक्ष्मी वर्मा एवं गरिमा सिन्हा के अलावा 70 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे।

डेंगू के रोकथाम के लिए शहर में जन-जागरूकता के साथ सोर्स रिडक्शन के दोहरे मोर्चे पर करना होगा काम- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में रायगढ़ शहर में डेंगू के रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग व नगरीय निकाय की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि डेंगू की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने के साथ सोर्स रिडक्शन के दोहरे मोर्चे पर एक साथ काम करना होगा। इसके लिए शहर के ऐसे वार्ड जो ज्यादा प्रभावित है, वहां घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन का कार्य करना होगा। कलेक्टर श्री गोयल ने इस अभियान में सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जनसहभागिता को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि गमले, प्लास्टिक कंटेनर, फ्रिज के ट्रे आदि में पानी जमा रहने पर पनपता है। लोगों को इसके लिए जागरूक करते हुए उन्हें नियमित रूप से ऐसे जगहों पर जमा पानी को खाली करने हेतु प्रेरित करना है। जितना ज्यादा सोर्स रिडक्शन होगा उतनी जल्दी डेंगू नियंत्रण में आयेगा। साथ महिला बाल विकास की टीम को प्रभावित वार्डो में सघन जांच करने व टेमिफॉस दवा के छिड़काव के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नगर निगम आयुक्त को नियमित साफ-सफाई, कचरे के उठाव किए जाने को लेकर निर्देशित किया।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, आयुक्त नगर निगम सुनील कुमार चंद्रवंशी, सीएमएचओ डॉ.बी.के.चंद्रवंशी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए आवेदन 4 अगस्त तक

धमतरी। वायुसेना में अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए पंजीयन एवं आवेदन की अंतिम तिथि 4 अगस्त है। उप संचालक, जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र श्रीमती पुष्पा चौधरी ने बताया कि ऐसे महिला एवं पुरूष जिनकी जन्म तिथि 3 जुलाई 2004 से 3 जनवरी 2008 के मध्य हो आवेदन के लिए पात्र साईंस विषय में गणित समूह आवेदन के लिए पात्र होंगे। ऑनलाईन पंजीयन के लिए वेबसाईट https//agnipathvayu.cdac.in पर जाकर पंजीयन किया जा सकता है अथवा नजदीकी सुविधा केन्द्र में जाकर पंजीयन करा सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता की जानकारी देते हुए उप संचालक ने बताया कि साइंस विषय भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों के साथ 50 प्रतिशत अंकों के साथ एवं अंग्रेजी में 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

खास खबर

करंट की चपेट में आई खेत में काम कर रही महिला, लोगों ने डंडा मारकर किया अलग, इलाज जारी

जगदलपुर। जगदलपुर के बकावंड ब्लॉक के ग्राम बागरिया में काम करने के दौरान एक बुजुर्ग महिला को करंट लग गया, जिसके बाद महिला को घायल अवस्था में डायल 112 की मदद से सीएचसी बकावंड लाया गया। जहां उसे बेहतर उपचार के लिए भर्ती किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि बकावंड थाना क्षेत्र के ग्राम बागरिया पीड़िता गुरुबारी गंगाय पति लोकनाथ गंगाय 50 वर्ष घर के खेत में काम करने गई थी। खेत में काम करने के दैरान करंट की चपेट में आ गई। जब लोगों ने देखा तो डंडा मार कर महिला को अलग किया। तब तक महिला बेहोश हो चुकी थी। इस घटना के बाद महिला बेहोश हो गई थी, जिसे खेत से बाहर निकाल कर मोटरसाइकिल की मदद से अस्पताल ले जा रहे थे। घटना की जानकारी लगने के बाद डायल 112 को बुलाया गया, मौके पर पहुंची पुलिस ने बेहोश पीड़िता को 112 वाहन में बैठाकर परिजनों के साथ उपचार हेतु सीएचसी बकावंड ले जाकर भर्ती किया गया।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

राजनांदगांव। शहर के नंदई-मोहारा मार्ग में एक बाइक सवार की सडक़ हादसे में

मौत हो गई। मृतक बालोद जिले के सुरसुली गांव का रहने वाला है। वह रोजाना काम के सिलसिले में शहर आना-जाना करता था। आज सुबह लगभग 10 बजे के आसपास एक टाईल्स से भरी ट्रक के ट्रांसफार्मर को ठोकर मारने के दौरान रास्ता रोकने वाली रस्सी से फंसकर युवक की मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक नंदई-मोहारा मार्ग में श्रीराम टाईल्स दुकान में एक ट्रक टाईल्स लेकर खाली करने पहुंची थी। इस दौरान ट्रक चालक ने ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर दिया। करंट फैलने की आशंका के चलते रस्सी से रास्ते का घेरा किया गया। इस दौरान बालोद जिले के सुरसुली के रहने वाले 25 साल के कौशल साहू मोटर साइकिल से शहर की ओर आ रहा था। उसकी रस्सी पर नजर नहीं गई। सीधे रस्सी उसके गले में फंस गई। वह जमीन में गिर गया। गिरने से उसे गंभीर चोंट पहुंची। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक स्थानीय एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान का कर्मचारी था। वह रोज आना-जाना करता था। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन अस्पताल पहुंच गए हैं।

बलौदा बाजार डबल मर्डर का खुलासा मां-बेटी के कत्ल का आरोपी गिरफ्तार

अवैध संबंध बनी हत्या की वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में एक दिन पहले हुए दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिले के कसडोल थाना क्षेत्र के ग्राम भदरा में मां-बेटी की हत्या के मामले में पुलिस ने उसी गांव में 35 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। अवैध संबंध व शादी का दबाव इस हत्याकांड का मुख्य कारण है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

बता दें 29 जुलाई 2024 सोमवार की सुबह थाना कसडोल पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम भदरा में घर के अंदर एक महिला एवं उसकी पुत्री की हत्या कर दी गई है। सूचना पर थाना कसडोल से पुलिस बल घटनास्थल पहुंचा। घर पर संतोषी साहू (40) और उसकी बेटी ममता साहू (18) की कुल्हाडी से वारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद दोनों को शवों को जलाने का

प्रयास किया गया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। इस मामले में पुलिस ने धारा 103,1,238 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

जांच के दौरान थाने की पुलिस व साइबर सेल की टेक्निकल टीम द्वारा घटना के संबंध में महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र कर आरोपी की पहचान का प्रयास किया जा रहा था। जांच के दौरान पता चला कि मृतका संतोषी साहू घर पर अपनी बेटी ममता साहू व बेटे सुनील साहू के साथ रहती है। घटना दिनांक 28-29 जुलाई को सुनील शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्राम अहिल्दा थाना लवन चला गया था। इस दौरान संतोषी साहू व उसकी बेटी ममता साहू घर पर अकेले थे। पुलिस को पता चला कि गांव का ही रहने वाला दिलहरण कश्यप (35) का मृतिका के घर आना-जाना है। घटना के बाद से ही वह फरार है।

विवाह का दबाव बना रही थी मृतका

इसके बाद पुलिस ने संदेही दिलहरण की पतासाजी कर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि दिलहरण कश्यप का मृतिका संतोषी साहू के साथ अवैध संबंध था और युवक का मृतका संतोषी के घर आना जाना लगा रहता था। आरोपी दिलहरण मृतिका संतोषी की आर्थिक सहायता भी करता था। लेकिन मृतिका संतोषी साहू आरोपी से विवाह करने के लिए दबाव बनाने लगी और पैसों की मांग करने लगी। जिससे आरोपी परेशान हो गया और आरोपी ने हत्या की योजना बना डाली।

बेटे की गैर मौजूदगी में पहुंचा था आरोपी

घटना के दिन आरोपी मृतिका के बेटे की गैरमौजूदगी में रात के समय मृतिका से मिलने उसके घर पहुंचा। आरोपी मृतिका को समझाने लगा कि, वह उससे शादी नहीं कर सकता है। लेकिन मृतिका संतोषी साहू उसकी बात मानने को तैयार नहीं थी और आरोपी से झगड़ा करने लगी। जिसके बाद आरोपी ने गुस्से में आकर घर में रखे कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। शोर सुनकर संतोषी साहू की बेटी पहुंची तो दिलहरण ने उसकी भी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों के शवों को जलाने का प्रयास भी किया था। इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए एएसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि, घटना के बाद से ही आरोपी फरार था। ग्रामीणों से पूछताछ फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर कसडोल पुलिस ने सायबर सेल की सहायता से आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सनकी पति ने चलती कार से पत्नी को बाहर फेंका, पैर पर चढ़ा दी कार

घर पर की बुजुर्ग दादी सास से मारपीट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक सनकी पति ने अपनी पत्नी को चलती कार से फेंक दिया। इतना ही नहीं उसने पत्नी को कार से कुचलने की कोशिश भी की। इसमें पत्नी की जान बच गई पर पैर कार से कुचल गया। सोमवार शाम को भिलाई टाउनशिप के सेक्टर 5 चौक की इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। युवक ने घर ले जाकर अपनी बीमार व बुजुर्ग दादी सास के साथ भी मारपीट किया है। पीड़िता के परिजनों ने भिलाई नगर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले में आरोपी युवक का नाम सेक्टर 4 निवासी रजत प्रताप सिंह है। रजत गोदावरी स्टील में इंजीनियर है। सेक्टर 5 की रहने वाली प्रियंका सिंह (24 वर्ष) के साथ रजत प्रताप सिंह की शादी 7 जून 2023 को हुई थी। रजत प्रताप ने सोमवार शाम को सेक्टर 9 अस्पताल से अपनी दादी उर्मिला देवी के साथ आटो से सेक्टर 5 लौटते समय प्रियंका सिंह को जबरदस्ती अपनी कार में बिठाया और फिर विवाद के बाद दरवाजा खोलकर उसे बाहर की ओर धक्का दिया। रजत प्रताप ने प्रियंका को कार से कुचलने की कोशिश की। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में

वायरल हो रहा है। वहीं प्रियंका के परिजनों ने भिलाई नगर थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

बताया जा रहा है कि शादी के दो महीने बाद से प्रियंका और रजत में पारिवारिक विवाद शुरू हो चुका था। इस विवाद के चलते प्रियंका 4 महीने से अपने ससुराल में रह रही थी। प्रियंका सोमवार शाम को अपनी दादी को सेक्टर 9 हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कराकर आटो से सेक्टर 5 स्थितअपने माता-पिता के निवास लौट रही थी। इसी दौरान सनकी युवक रजत सेक्टर 5 चौक के पास पहुंचा और अपनी पत्नी प्रियंका को जबरदस्ती कार में बिठाने की कोशिश करने लगा। प्रियंका की दादी को उसने कार में पहले ही बिठा लिया था। उसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। प्रियंका गाड़ी में बैठने से मना करने लगी, लेकिन सनकी रजत प्रताप सिंह ने अपनी पत्नी प्रियंका का गला दबाकर कार से घसीटा और चलती कार से फेंक दिया। इस दौरान प्रियंका का पैर कार से कुचल गया। वहीं प्रियंका की दादी को कार में बिठाकर घर ले गया। आरोपी युवक ने अपनी दादी सास उर्मिला देवी के साथ भी मारपीट की। पीड़िता के परिजनों ने आरोपी पति के खिलाफ भिलाई नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

जुआ सट्टा व शराब के अवैध कारोबार की शिकायत करना पड़ा भारी

पूर्व पार्षद के पिता पर कटर से हमला

भिलाई। जामुल क्षेत्र में बदमाशों के हौसले बुलंद है। जुआ सट्टा और शराब के अवैध कारोबार का विरोध करने पर एक पूर्व पार्षद के पिता पर कटर से हमला बोला गया है। जामुल नगर पालिका से कुछ दूर पर नहर किनारे खुलेआम सट्टा खिलाने के साथ ही अवैध शराब और गांजा बिक रहा है। जब यहां के पूर्व पार्षद ने इसका विरोध किया और कई जगह शिकायत की तो इस अवैध कारोबार में लगे लोगों ने उसके बूढ़े माता-पिता पर कटर से हमला कर दिया।

जामुल नगर पालिका के वार्ड 6 के पूर्व पार्षद नरेंद्र देवदास ने बताया कि उसके वार्ड में उसके घर से 100 मीटर की दूरी पर नहर के किनारे अवैध शराब बेची जाती है। गांजा बेचा जाता है। सट्टा खिलवाया जाता है। उसने इसका विरोध किया। इसकी शिकायत नगर पालिका और पुलिस थाने में किया।

इसके बाद से इस अवैध कार्य को करने वाला कृष्णा साहू उससे दुश्मनी रखने लगा था। उसके पापा सुपेला में सत्यम टेलर्स के यहां काम करते हैं। सोमवार देर रात जब वे काम से वापस आ रहे थे। वे जैसे ही घर के पास पहुंचे वहां कुछ लोग नशे की हालत में गाली गलौज कर रहे थे। पूर्व पार्षद के पिता ने उन्हें ऐसा करने से मना किया तो वहां बैठे लोगों ने उससे झगड़ा करना शुरू कर दिया। जब पूर्व पार्षद की मां वहां पहुंची तो उन लोगों ने बुजुर्ग पर कटर से हमला कर दिया। पूर्व पार्षद के पिता के सिर में कटर लगने से वो लहूलुहान हो गया।

सूचना मिलते ही पूर्व पार्षद नरेंद्र वहां पहुंचा और पिता को लेकर जामुल थाने पहुंचा। जामुल पुलिस बुजुर्ग को लेकर सुपेला अस्पताल पहुंची और उसका मुलाहिजा किया गया। पुलिस को पूर्व पार्षद ने वो कटर भी दिया है, जिससे उसके पिता के ऊपर जानलेवा हमला किया गया है। पूर्व पार्षद के पिता सुरेंद्र देवदास ने बताया कि वह सुपेला घड़ी चौक स्थित सत्यम टेलर्स में काम करता है। रोज की तरह शाम को अपने घर जाता है। वो शाम को अपने घर जा रहा था। उसको मारने के लिए पहले ही 5-6 लड़के वहां बैठे थे। उसको देखते ही वो लोग हुज्जतबाजी करने लगे। उसके बाद उसके ऊपर कटर से हमला कर दिया।

करंट लगने से विद्युत विभाग का कर्मचारी हुआ घायल

कवर्धा। कवर्धा जिले में स्थित पांडतराई में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। विद्युत विभाग के ही एक कर्मचारी को करंट लगने से वह गंभीर रूप घायल हो गया। जानकारी के अनुसार विद्युत कर्मचारी गणेश यादव (27) स्थानीय स्कूल के सामने खंबे पर चढ़ा हुआ था, लेकिन विभाग द्वारा ना तो खंभे का विद्युत प्रवाह रोका गया था और ना ही किसी भी प्रकार के सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था। इसकी वजह से खंभे पर चढ़े गणेश यादव को करंट लगा और वह खंभे से नीचे गिर गया।

पानी समझकर पी ली शराब, मासूम बच्ची की इलाज के दौरान हुई मौत

बलरामपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां पर शराब पीने से एक तीन साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक खेल-खेल में इस बच्ची ने शराब पी लिया था। जिसके बाद वह बेहोश हो गई,और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।इसके बाद उस बच्ची को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया था, लेकिन मासूम बच्ची दम तोड़ दिया। ये पूरा मामला त्रिकुंडा थाना क्षेत्र का बयाता जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक 3 साल की सरिता पिता राम सेवक सोमवार को अपने घर में खेल रही थी, बच्ची के पास में ही उनकी मां सविता वहां पर काम कर रही थी।

इस दौरान खेलते हुए बच्ची खेलते अपनी दादी के कमरे में चली गई और वहां के मेज पर रखी शराब की बोतल को उठाई और पानी समझकर पी गई। जिसके बाद वह अपने मां के आस पहुंची और बेहोश हो गई,जिसके बाद सरिता की मां ने इसकी जानकारी अपने पति राम सेवक को दी। ऐसे में बच्ची के मुंह से शराब की बदबू आता देख राम सेवक तुरंत कमरे में पहुंचा तो देखा यहां पर शराब की बोतल बिखरी पड़ी थी। जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर बच्ची की हालत में कोई भी सुधार नहीं आया और दोपहर में सरिता कि मौत हो गई। घटना की सुचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम के लिए शव को अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस की गिरफ्त में आया शातिर चेन स्नेचर

पैदल जाती महिलाओं को बनाता था निशाना, 6 सोने की चेन, एक लॉकेट व बाइक बरामद

एन्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट दुर्ग एवं थाना नेवई, मोहन नगर, भिलाई भट्ठी की संयुक्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने बाइक पर घूम-घूमकर चेन स्नेचिंग करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। अलग अलग थाना क्षेत्र में बदमाश ने इन घटनाओं को अंजाम दिया। लगभग 7 चेन स्नेचिंग के मामलों में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने 6 सोने की चेन व एक लॉकेट तथा घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद किया है। पुलिस ने कुल 6 लाख 20 हजार रुपए का मशरुका जब्त कर आरोपी को जेल न्यायिक रिमांड पर भेजा है। खासबात यह है कि आरोपी पूर्व में भी चेन स्नेचिंग के मामले में जेल जा चुका है।

इस मामले का खुलासा करते हुए

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि जिले में लगातार एक के बाद एक चेन स्नैचिंग की घटनाएं हो रही थी। इसे लेकर दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला सभी थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस द्वारा संदेहियों पर नजर रखी जा रही थी, आदतन अपराधियों व जेल से रिहा हुये अपराधियों से पूछताछ कर पतासाजी के प्रयास किये जा रहे थे और विशेष सूत्र भी लगाये गये थे। घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी टीवी फुटेज भी देखा गया जिससे एक संदिग्ध की पहचान की गई।

संदिग्ध की पहचान होने के बाद पुलिस ने भरत गुप्ता उर्फ राहूल को घेरांबदी कर पकड़ा। पुलिस की पूछताछ में पहले वह गुमराह करते रहा लेकिन बाद में सारा सच उगल दिया। शातिर ने बताया कि करीब 06 माह पूर्व जनवरी में थाना भिलाई भट्ठी से एक मोटर सायकल बजाज प्लेटिना चोर की थी। इसी बाइक का इस्तेमाल वह चेन स्नेचिंग करने के लिए करता था। उसने फरवरी में थाना नेवई क्षेत्र अन्तर्गत मैत्रीकुंज में टहल रही महिला के गले से सोने की चेन खींच ली। इसके बाद नेवई क्षेत्र में 4 बार चेन स्नेचिंग की। 1 सप्ताह पूर्व थाना मोहन नगर क्षेत्र में सिंधिया नगर हनुमान मंदिर के पीछे सुबह करीबन 6:00 बजे एक महिला अपने बच्चे को स्कूल बस में बिठा कर पैदल अपने घर जा रही थी। उसी वक्त महिला के गले से मंगल सूत्र खींच कर भाग गया।

आरोपी की निशानदेही पर उसके कब्जे से 6 नग सोने की चैन व लॉकेट घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बजाज प्लेटिना बरामद कर जब्त किया गया। इस पूरी कार्रवाई में एसीसीयू से एएसआई पूर्ण बहादूर, प्रधान आरक्षक संतोष मिश्रा, प्रदीप सिंह, आरक्षक अनूप शर्मा, उपेन्द्र यादव, पन्ने लाल, शिव मिश्रा, शहबाज खान, नरेन्द्र सहारे, अजय गहलोत, तिलेश्वर राठौर, विक्रान्त बयु, थाना नेवई से उप निरीक्षक खगेन्द्र पठारे, एएसआई रामचंद्र कंवर, गंगाराम, प्रधान आरक्षक सूरज पाण्डेय, जगत पाल, आरक्षक रवि विसाई, थाना मोहन नगर से उप निरीक्षक लक्ष्मण ठाकुर, प्रधान आरक्षक मोहन साहू की उल्लेखनीय भूमिका रही।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, बालोद (छ.ग.) कोड नं. 74

TELE: 07749-299073* E-MAIL : wrd.division.balod@gmail.com

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्र. 33/व.ले.लि./2023-24 दिनांक 05.01.2024 सिस्टम निविदा क्रमांक 150993, जी-06932/1,2,3 को षष्टम आमंत्रण की निविदा आमंत्रित की गई थी जिसमें योग्य निविदाकारों की संख्या निरंक होने के फलस्वरूप षष्टम निविदा निरस्त की जाती है।

जी-242501448/7

कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, बालोद (छ.ग.)

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स

विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers

Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

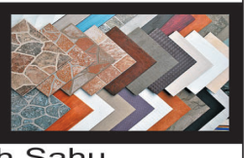

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357

Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

मनोनीत राज्यपाल रमेन डेका का छत्तीसगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया आत्मीय स्वागत

छत्तीसगढ़ तेजी से उभरता प्रदेश, विकास को नई ऊंचाइयां देंगे: राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मनोनीत राज्यपाल रमेन डेका एवं उनकी धर्मपत्नी रानी डेका काकोटी के छत्तीसगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्टेट हेंगर में आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर मनोनीत राज्यपाल डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ विकास के परिदृश्य में तेजी से उभर रहा है। यहां विकास को नये स्तरों पर पहुंचाने हम काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त करने के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच फैसिलिटेटर की भूमिका निभाएंगे ताकि प्रदेश का विकास तेजी से हो।

उन्होंने कहा कि वे असम और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए भी काम करेंगे। श्री डेका ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेश के विकास को लेकर है।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी पुष्पगुच्छ भेंटकर राज्यपाल का अभिवादन किया। साथ ही मंत्रिमंडल के सदस्य उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, खेल मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी मनोनीत राज्यपाल का अभिवादन किया।

स्टेट हेंगर में मनोनीत राज्यपाल को गार्ड आफ आनर दिया गया।

राज्यपाल का स्वागत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक नृत्यों सुआ, कर्मा, डंडा और राउत नाचा से किया गया। इस मौके पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन तथा पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बड़ी दुर्घटना टली: तेज रफ्तार कंटेनर से नेहरू नगर अंडरब्रिज का स्ट्रक्चर टूटा

- हाइट गेज ध्वस्त हो जाने से दोनों ओर से हुआ रास्ता बंद
- देर रात आवाजाही थमे रहने से जनहानि से मिली राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर रेलवे अण्डरब्रिज में देर रात एक कंटेनर वाहन तेज गति से प्रवेश कर गया। इसके कारण अण्डरब्रिज का पूरा स्ट्रक्चर टूट कर गिर गया। सामने बना लोहे का हाइट गेज बुरी तरह से ध्वस्त हो गया। जिसके चलते अण्डरब्रिज के दोनों ओर का रास्ता बंद हो गया है। घटना रात देढ़ बजे तब हुई जब अण्डरब्रिज से आवाजाही नहीं के बराबर होती है, अन्यथा बड़ी जनहानि की संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि कंटेनर वाहन रायपुर से प्लाईवुड लेकर हैदराबाद जा रही थी। ऐसे में कंटेनर को नेशनल हाईवे में सीधे जाना था। चालक के नेहरू नगर चौक से कंटेनर वाहन को रेलवे अण्डरब्रिज से भिलाई टाउनशिप जाने वाले रास्ते की ओर मोड़ना समझ से परे है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि चौक पर मवेशी को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार कंटेनर वाहन अनियंत्रित होकर अण्डरब्रिज की ओर मुड़ने के बाद हाइट गेज से जा भिड़ी। घटना में हाईट गेज का मजबूत बेस वाला लोहे का पोल उखड़ गया है। वहीं ऊपर की सीट भी क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही सुपेला थाना और ट्रेफ्फिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ट्रेफ्फिक पुलिस ने क्रेन की मदद से कंटेनर वाहन को हटाया और अण्डरब्रिज के दोनों ओर आवाजाही रोकने बेरिकेडिंग कर दी। नेहरू नगर से भिलाई टाउनशिप आने जाने वालों को ओवरब्रिज के रास्ते का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है।ट्रेफ्फिक डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। कंटेनर को क्रेन के माध्यम से बाहर निकालने के बाद सुपेला थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना: श्रमिक परिवार की 5981 बेटियों के खाते में आये 11 करोड़ 96 लाख से ज्यादा राशि

सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए प्रतिबद्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार श्रमिकों के हित के अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। प्रदेश सरकार ने श्रमिक परिवारों की बेटियों के जीवन स्तर में सुधार के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना की शुरुआत की है।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने विभागीय योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस योजना का उद्देश्य श्रमिक परिवारों की बेटियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है ताकि वे शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। महासंमुद जिले में इस योजना के तहत कुल 5981 हितग्राहियों की बेटियों को लाभान्वित किया गया है। प्रत्येक बेटी के बैंक खाते में 20,000 रुपये की राशि जमा की गई है। इस प्रकार, कुल 11 करोड़ 96 लाख 20 हजार रुपये का भुगतान किया गया है। यह राशि उन परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा साबित हो रही है जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर रहे थे।

नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से न केवल श्रमिक परिवारों को राहत मिल रही, बल्कि यह ज़िले की बेटियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इससे प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा और उनके समग्र विकास को बढ़ावा मिल रहा है। महासमुंद अयोध्या नगर निवासी हितग्राही गीता निषाद ने बताया कि इस योजना की राशि उनके बैंक खातें में आ गयी है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग कॉलेज की पढ़ाई पर खर्च करेंगी।उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी। शासन की इस योजना से उनका परिवार बहुत खुश है। महासंमुद जिले में मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना के शुरू होने से अब तक 5981 पात्र हितग्राहियों की पुत्रियों के लिए 20-20 हजार रूपए की राशि सीधे उनके बैंक खाते में डाली गयी है। इस योजना के कारण श्रमिकों की बेटियां अब सशक्त एवं आत्मनिर्भर भी बन रही। यह योजना लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ सामाजिक सहायता भी प्रदान कर रही है। श्रमिक परिवारों की बेटियों को शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार के साथ ही उनके विवाह में यह राशि मजबूत सहायता प्रदान कर रही है। इस योजना में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत श्रमिक ही पात्र है। पात्रधारियों को योजना का लाभ लेने के लिए मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना की अधिकारिक वेबसाइट पर ऑन लाइन पंजीयन करना होगा।

श्रमिक परिवार की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तथा उन्हें शिक्षा और रोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना के तहत पात्र श्रमिक परिवार की प्रथम दो बेटियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए 20-20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में डाली जाती है।

श्री रामलला दर्शन के लिए गरियाबंद जिले से 94 श्रद्धालु अयोध्याधाम रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री रामलला के दर्शन के लिए गरियाबंद जिले से 94 श्रद्धालु आज अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने लाईवलीहुड कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सभी दर्शनार्थियों को गुलाल लगाकर व पुष्पहार पहनाकर शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने दर्शनार्थियों को रायपुर लेकर आने वाली दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार श्री रामलला दर्शन हेतु श्री रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम जाने-आने, ठहरने, चाय नाश्ता आदि का समस्त प्रबंध शासन की ओर से किया जाता है। इसी क्रम में आज गरियाबंद जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज अयोध्या धाम रवाना हुए। श्रद्धालुओं के देखरेख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है। ये दर्शनार्थी रायपुर से स्पेशल ट्रेन से अयोध्या धाम जाएंगे।

अयोध्या जाने वाले श्रद्धालु श्री योगेश शर्मा ने बताया कि विष्णुदेव साय सरकार ने श्री रामलला दर्शन के हम सब के सपने को पूरा किया है। सरकार की मदद से अयोध्या जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। श्रद्धालु श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया।इसी प्रकार देवभोग क्षेत्र के ग्राम गिरसुल निवासी उदयभान सेन ने बताया कि वह अयोध्याधाम की यात्रा को लेकर बेहद खुश है। वह कहते है कि हमारे पूर्वजों में से भी कोई आज तक अयोध्या नही गए है।

शासन के सहयोग से श्री रामलला दर्शन करने का अवसर मिल रहा है, जो कि हम सब के लिए खुशी की बात है। निशुल्क यात्रा के साथ खाने, पीने और रहने की भी व्यवस्था की गई है। इससे श्रद्धालुओं पर कोई आर्थिक बोझ भी नही पड़ेगा।

पंडित प्रदीप मिश्रा के कथा सुनने लाखों में पहुंच रहे लोग, कई संस्थानों द्वारा निःशुल्क भोग का वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के जयंती स्टेडियम इन दिनों शिवमय हो गया है और प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से शिव भक्त कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कथा सुनने लाखो की संख्या में कथा स्थल पर पहुंच रहे है।

इस कथा में कोई भूख न रहे इसके लिए लगातार कथास्थल पर कई संस्थानों द्वारा निशुल्क भोग का वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर दुर्ग जिला के ब्राम्हण समाज जिला अध्यक्ष आशीष त्रिपाठी के साथ उनके साथी शुभम सोनी, विशाल कश्यप, धीरेन्द्र सोनी, बंटी, भीम, अंकुर, अरविंद अग्रवाल के बीएसपी स्कूल सेक्टर 6 के बैच 2001 के सहपाठी भी चिन्ना अखिलेश, लक्ष्मी, गायत्री, हेमा इन सभी ने इस सेवा भाव में अपनी योगदान दे रहे है।

कथा सुनने पहुंच रहे भक्तों को युवा टोली कर रही हजारों पौधों का निःशुल्क वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के जयंती स्टेडियम इन दिनों शिवमय हो गया है और प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से शिव भक्त कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कथा सुनाने लाखो की संख्या में पहुंच रहे है।

इस कथा में वापस जाते हुए भक्तगण एक पौधे मां के नाम के लिए दुर्ग जिला ब्राम्हण समाज के युवा की टोली ने लगातार कथास्थल पर निशुल्क 10000 पौधे वितरण कर रहे है। इस

मौके पर दुर्ग जिला के ब्राम्हण समाज जिला अध्यक्ष आशीष त्रिपाठी के साथ उनके साथी शुभम सोनी, विशाल कश्यप, धीरेन्द्र सोनी, बंटी, भीम, अंकुर, अरविंद अग्रवाल और बीएसपी स्कूल के सहपाठी भी इस सेवा भाव में अपनी योगदान दे रहे है।

- जन अपेक्षाओं के अनुरूप करें काम, समस्याओं के निदान के लिए व्यापक हित में बनाएं योजना
- उप मुख्यमंत्री ने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा की समीक्षा की, दिए आवश्यक निर्देश
- आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शिविरों में सकारात्मक परिणाम के लिए दी बधाई
- जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के पहले तीन दिनों में ही मिले 19598 आवेदन, 40 प्रतिशत आवेदन मौके पर ही निराकृत

जनसमस्या निवारण शिविरों में मिल रहे आवेदनों को निराकृत करने बनाएं प्रभावी व्यवस्था : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 27 जुलाई से शुरू हुए जनसमस्या निवारण पखवाड़ा की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जनसमस्या निवारण शिविरों में मिल रहे आवेदनों को निराकृत करने प्रभावी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगरीय निकायों के सभी विभागों के अधिकारियों को जन अपेक्षाओं के अनुरूप काम करने को कहा। उन्होंने शहरों की समस्याओं के निदान और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए व्यापक हित में योजना बनाने के निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री कुंदन कुमार भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत आयोजित वार्डवार शिविरों के सुचारु संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ लोगों के आवेदनों का त्वरित निराकरण करने को कहा। उन्होंने कहा कि हर वार्ड में आयोजित किए जा रहे शिविर आवेदन लेने का शिविर नहीं है। आवेदनों का तत्परता से निराकरण इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य है। श्री साव ने सभी आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शिविरों में सकारात्मक परिणाम के लिए बधाई दी। उन्होंने ज्यादा संख्या में मौके पर ही लोगों की समस्याएं निराकृत करने वाले नगरीय निकायों की पीठ थपथपाई और हौसला अफ्जाई की। उन्होंने बांकी बचे दिनों में भी जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के प्रभावी आयोजन के निर्देश दिए। शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए राशि जारी करने की बात भी कही।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शिविरों के अनुभव के आधार पर कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ देने शिविरों में स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत वार्डों में आयोजित हो रहे शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा, जिससे कि लोगों को अपने वार्ड में आयोजित हो रहे शिविर के बारे में पहले से जानकारी हो और वे अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए शिविर में पहुंच सके।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के शुरूआती तीन दिनों में प्रदेश भर में कुल 19 हजार 598 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 17 हजार 310 आवेदन मांगों से और 2288 आवेदन शिकायतों से संबंधित हैं। शिविरों में प्राप्त हुए करीब 40 प्रतिशत यानि 7747 आवेदनों को मौके पर ही निराकृत किया गया है। इस दौरान प्राप्त 1092 आवेदनों के दूसरे विभागों से संबंधित होने के कारण निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविरों के बहुत अच्छे परिणाम आ रहे हैं। आप सभी अच्छा आयोजन कर रहे हैं। इसी तरह 15 दिनों तक काम करना है। उन्होंने हितग्राहीमूलक कार्यों को मौके पर करने के साथ ही सामुदायिक सुविधाओं जैसे पानी, नाली, बिजली की समस्या इत्यादि का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पट्टा, सड़क, नाली, बिजली जैसी मांग आने पर इन्हें किसी भी मद से करने का प्रस्ताव भेज सकते हैं।

सीएसआर और डीएमएफ मद से भी कार्य करा सकते हैं। उन्होंने शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ मंत्रालय में समीक्षा बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण (सुडा) के सीईओ शशांक पाण्डेय, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालकपुलक भट्टाचार्य और संयुक्त संचालक एस.के. सुंदरानी भी मौजूद थे। वहीं सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों के संभागीय संयुक्त संचालक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950